डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 80 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 27 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भाजपा की नई कार्यकारिणी की तैयारी शुरू

भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के बाद अब बहुत जल्द नई कार्यकारिणी सामने आने वाली है। इस कार्यकारिणी में मौजूदा पदाधिकारियों में कुछ को ही जगह दी जाएगी। कोशिश यही है कि नए चेहरे पदाधिकारी के रूप में प्रदेश की राजनीति में पदार्पण करें। इस बात के संकेत प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिए हैं।

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल होने वाले पदाधिकारियों की संख्या का एक फॉर्मूला है, उसी के आधार पर कार्यकर्ताओं के चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

राठौड़ ने इस बात के संकेत भी दिए हैं कि कार्यकारिणी में ऐसे कार्यकर्ताओं को जगह मिलेगी, जो जमीन पर काम करते नजर आ रहे हैं। यही नहीं, प्रदेश के सभी अंचल और वर्ग विशेष का भी संगठन में ध्यान रखा जाना है। ऐसे में योग्यता के साथ-साथ वर्ग-जाति का ख्याल रखा जा रहा है।

क्षेत्र के लिहाज से स्थितियां भी देखी जा रही हैं। प्रदेश सरकार में जिन क्षेत्र और वर्ग को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिला हुआ है, उसी के अनुसार प्रदेश संगठन में अन्य को महत्व दिया जाना है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मार्च में एक बड़ी बैठक हो सकती है। इसी बैठक में देशभर के अनुशांगिक संगठनों के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है। माना जा रहा है कि इसी बैठक में विभिन्न राज्यों के भाजपा के संगठन महामंत्री भी तय होंगे। ऐसे में राज्य को एक संगठन महामंत्री मिल सकता है। लंबे समय से यह पद खाली है।

कार्यकारिणी में नए पदाधिकारी क्यों

असल में मौजूदा कार्यकारिणी के कई पदाधिकारी पहले से एक अन्य पद पर लगाए जा चुके हैं। इनमें प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष बनाए जा चुके हैं।

जबकि सीआर चौधरी किसान आयोग के अध्यक्ष बन चुके। इसी तरह कुछ सांसद व विधायक भी हैं, जिनके स्थान पर अन्य को मौका मिल सकता है। प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की भी चर्चा है।

ऐसे में कुछ विधायक पदाधिकारियों में से एक या दो को सरकार में जगह मिल सकती है। हीरालाल नागर पहले से मंत्री हैं।

करना पड़ेगा थोड़ा और इंतजार

असल में राजस्थान और मध्य प्रदेश को छोड़कर फिलहाल किसी भी बड़े राज्य में प्रदेशाध्यक्ष तक की चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। हालांकि मणिपुर, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख आदि में चुनाव हो गए हैं। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तब करेगा, जबकि आधे से अधिक राज्यों में प्रदेशाध्यक्ष तक के चुनाव संपन्न हो जाएंगे।

क्या छिन सकती है डोटासरा की विधायकी ?

- स्पीकर के लिए कहे थे अपशब्द; सदन के पास कई पावर,गतिरोध नहीं टूटा तो बढ़ेंगी कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की मुश्किलें

फाइल : विधानसभा में मंत्री अविनाश गहलोत के इंदिरा गांधी को 'आपकी दादी' कहने से पैदा हुआ गतिरोध कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के स्पीकर को अपशब्द कहने के बाद और बढ़ गया है।

सदन में कांग्रेस के धरने के दौरान डोटासरा ने स्पीकर के लिए अपशब्द कहे थे। ऐसे में पूरा मामला पलट गया है। बीजेपी विधायकों का एक बड़ा तबका डोटासरा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा है। स्पीकर ने भी कड़ी कार्रवाई का फैसला सदन पर छोड़ दिया है।

राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम 292 में विधायक के निलंबन का प्रावधान दिया हुआ है। इस प्रावधान के अनुसार स्पीकर निलंबन का प्रस्ताव रखने को कहते हैं। उस पर सदन में वोटिंग करवाई जाती है। वॉइस वोटिंग से फैसला होता है।

स्पीकर चाहते तो आगे एक्शन लेने के लिए प्रस्ताव रखने को कह सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। स्पीकर हमेशा सदन के माध्यम से ही फैसला करवाते हैं, ऐसी परंपरा है।

हालांकि स्पीकर के पास भी पावर है, लेकिन परंपराओं के हिसाब से वे सदन में वोटिंग करवाकर ही फैसला करते हैं।

डोटासरा सहित छह कांग्रेस विधायक पूरे बजट सत्र के लिए पहले से ही सस्पेंड हैं। चूंकि डोटासरा ने सदन की कार्यवाही के बाद स्पीकर के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। ऐसे में तत्काल फैसला नहीं करके इसका सियासी रिएक्शन भी देखना था।

सदन डोटासरा पर अधिकतम क्या कार्रवाई कर सकता है? यह कैसे तय होगा? यदि कुछ विधायक डोटासरा पर कार्रवाई के विरोध में हों तो क्या वोटिंग होगी?

सदन के पास असीमित अधिकार हैं। सदन चाहे तो डोटासरा को एक साल से लेकर उनके बचे हुए कार्यकाल तक के लिए निलंबित कर सकता है। इसके अलावा सदन चाहे तो कभी भी निलंबन खत्म कर सकता है। यह सब स्पीकर और सरकार के रुख पर निर्भर करेगा।

अगर गतिरोध टूटने पर सहमति नहीं बनी और सरकार व स्पीकर एकमत होकर कठोर कार्रवाई करने का मन बनाते हैं तो डोटासरा का निलंबन बढ़ने से लेकर विधायकी जाने तक भी बात जा सकती है। विधायकी खत्म करने तक का पावर भी विधानसभा को है, लेकिन उसकी प्रक्रिया बहुत लंबी है।

विधानसभा में अगर दूसरे विधायक विरोध भी करते हैं तो भी बीजेपी का बहुमत है। ऐसे में डोटासरा के खिलाफ एक्शन लेने का प्रस्ताव आसानी से पारित हो जाएगा।

क्या डोटासरा पूरे कार्यकाल के लिए सस्पेंड हो सकते हैं?

यह सब स्पीकर और सरकार के रुख पर निर्भर करेगा। अगर गतिरोध खत्म नहीं हुआ तो डोटासरा पूरे कार्यकाल के लिए सस्पेंड हो सकते हैं। उनकी विधायकी तक खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

स्पीकर ने कहा कि डोटासरा विधायक रहने के योग्य नहीं हैं। क्या विधानसभा का सदन किसी निर्वाचित विधायक को अयोग्य ठहरा सकता है?

सदन को निर्वाचित विधायक को अयोग्य ठहराने का भी अधिकार है, लेकिन उसकी प्रक्रिया बहुत लंबी है। अगर डोटासरा की मेंबरशिप खत्म करने के लिए कार्रवाई करनी होगी तो इसके लिए स्पीकर मामले को विधानसभा की सदाचार समिति को सौंप सकते हैं।

डोटासरा ने जो कुछ कहा, वो सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं है। क्या फिर भी उन पर कार्रवाई हो सकती है?

डोटासरा ने जो कुछ कहा वो भले सदन की कार्यवाही का हिस्सा न हो, लेकिन विधानसभा परिसर में अमर्यादित आचरण पर उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। विधायक अमर्यादित आचरण नहीं कर सकता।

ऐसा करने पर कार्रवाई का अधिकार स्पीकर के पास है। स्पीकर के पास अपने स्तर पर कार्रवाई करके नया उदाहरण पेश करने तक के अधिकार हैं।

डोटासरा के खिलाफ स्पीकर के विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव भी आ सकता है। स्पीकर की अथॉरिटी को चैलेंज करने, उनकी अवमानना का मामला बन सकता है और यह आधार कार्रवाई के लिए पर्याप्त है।

हालांकि राजस्थान में आम तौर पर विधायकों पर एक्शन लेकर बाद में उनका निलंबन खत्म करके उदारता दिखानी की परंपरा रही है।

विधानसभा परिसर में विधायक खराब आचरण करता है तो स्पीकर के पास कार्रवाई के अधिकार हैं। विधानसभा का जब सत्र चलता है तो विधानसभा परिसर के अलावा विधायक निवास और कई अन्य जगहों को भी विधानसभा परिसर घोषित किया जाता रहा है।

इसके लिए विधानसभा की सिक्योरिटी ब्रांच से ऑर्डर निकलता है, ऐसे में विधानसभा परिसर में खराब आचरण का मामला बनाकर भी स्पीकर कार्रवाई कर सकते हैं।

क्या इससे पहले ऐसे किसी मामले पर कोई एक्शन हुआ है?

विधायकों के सदन से निलंबित करने के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। अगस्त 2024 में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को स्पीकर से उलझने और उनकी तरफ आक्रामक इशारे करने पर छह महीने के लिए सस्पेंड किया था। भाकर को बजट सत्र की शुरुआत में समय से पहले बहाल किया था। 24 जुलाई 2023 को राजेंद्र सिंह गुढ़ा और मदन दिलावर को विधानसभा की बची हुई अवधि के लिए सस्पेंड किया था।

10 फरवरी 2022 : भाजपा विधायक रामलाल शर्मा, मदन दिलावर, अविनाश गहलोत और चंद्रभान सिंह आक्या को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया था।

6 मार्च 2022 : भाजपा विधायक मदन दिलावर को एक सप्ताह तक के लिए सस्पेंड किया गया था।

1 मार्च 2021 : स्पीकर की टेबल के सामने आकर हंगामा करने पर वासुदेव देवनानी को एक दिन के लिए सस्पेंड किया गया था।

24 अगस्त 2020 : राजेंद्र राठौड़ को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया था।

26 अप्रैल 2017 : विधानसभा में हंगामा करने को लेकर 14 विधायकों को एक साल के लिए सस्पेंड किया गया था। इनमें गोविंद सिंह डोटासरा, सुखराम बिश्नोई, श्रवण कुमार, शकुंतला रावत, राजेंद्र यादव, रमेश मीणा, मेवाराम जैन, मनोज कुमार, भजनलाल जाटव, धीरज गुर्जर, घनश्याम मेहर, अशोक चांदना, हीरालाल दरांगी और हनुमान बेनीवाल शामिल थे।

3 मार्च 2015 : 9 विधायकों को पूरे सत्र के लिए सस्पेंड किया था। इनमें गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक चांदना, श्रवण कुमार, धीरज गुर्जर, सुखराम बिश्नोई, रमेश मीणा, बृजेंद्र ओला, गिर्राज सिंह मलिंगा और हनुमान बेनीवाल शामिल थे।

'जापान-इंडिया-अफ्रीका बिजनेस फोरम' को वर्चुअली संबोधित करते हुए बोले विदेश मंत्री

अफ्रीका का विकास-समृद्धि वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति में योगदान करेगी: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बुधवार को 'जापान-इंडिया-अफ्रीका बिजनेस फोरम' को वर्चुअली संबोधित किया। जिसमें उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जापान और निक्केई (टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज का एक शेयर बाजार सूचकांक) का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फोरम न केवल दोनों देशों के बीच बढ़ती द्विपक्षीय गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। बल्कि अफ्रीका और उसके बाहर विकास व आर्थिक विकास के लिए साझेदारी को भी प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहा, अफ्रीका का विकास और समृद्धि केवल उनके अपने लोगों के लिए ही लाभदायक नहीं है। इसका अंतरराष्ट्रीय स्थिरता और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में भी अहम योगदान है। भारत-जापान अपनी अतिरिक्त ताकत की वजह से अफ्रीका के सतत, समावेशी विकास को लेकर अच्छी स्थिति में हैं। जयशंकर ने विश्वास जताते हुए कहा कि आज की इस चर्चा से मूल्यवान जानकारी मिलेगी। जिससे भागीदारी को सशक्त बनाने के लिए व्यावहारिक विचार सामने आएंगे।

एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत के पक्षधर: भारत और जापान के बीच

लोकतंत्र, स्वतंत्रता, कानून के शासन और एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत के साझा विजन और मूल्यों पर आधारित संबंध हैं। बीते कुछ सालों में दोनों की यह संबंध विशेष सामरिक और वैश्विक भागीदारी के स्तर तक जा पहुंचे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में हमने एक मजबूत नींव रखी है। क्वाड हमारी द्विपक्षीय भागीदारी को बढ़ावा देने में और अधिक मददगार है। इससे आमजन की भलाई से जुड़े हुए अधिक से अधिक क्षेत्रों में सहयोग और अधिक प्रगाढ़ होगा।

अफ्रीका के लिए आपसी लाभप्रद भागीदारी जरूरी

विदेश मंत्री ने कहा कि अफ्रीका को लेकर हमेशा से ही भारत की सोच दीर्घावधि और आपसी लाभकारी भागीदारी से गहराई से जुड़ी प्रतिबद्धता के जरिए निर्देशित होती है। जिसमें सामने से केवल प्राप्त करने का मॉडल शामिल नहीं है। भारत क्षमता, कौशल विकास और तकनीक हस्तांतरण पर विश्वास रखता है। इस तरह निवेश से अफ्रीकी देशों को लाभ मिलने के अलावा आत्म-विकास का इकोसिस्टम विकसित कर सकते हैं। इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (आईटीईसी) कार्यक्रम, समूचे अफ्रीका में फैला ई-नेटवर्क प्रोजेक्ट और हाई इंपैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में स्थानीय क्षमताओं को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। अपने अफ्रीकी भागीदारों तक वर्चुअल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए 2019 में ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती नेटवर्क लांच किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत 19 अफ्रीकी देशों के युवाओं ने स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लिया। भारत का विश्वास है कि मानव पूंजी में निवेश अफ्रीका के साथ एक सच्ची आपसी लाभकारी भागीदारी है।

100 बिलियन डॉलर का व्यापार

उन्होंने कहा कि भारत, अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार तेजी से आगे बढ़ता हुआ करीब 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच रहा है। भारत ने अफ्रीका महाद्वीप में कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में 12 बिलियन का छूट आधारित क्रेडिट और रेलवे, पावर जनरेशन, कृषि और जल आपूर्ति समेत 200 परियोजनाओं को पूरा किया है। विभिन्न क्षेत्रों में जारी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाओं की मदद से स्थानीय स्तर पर अफ्रीका में रोजगार सृजन और लोगों के जीवन में बदलाव आएगा।

अफ्रीका के साथ प्राकृतिक पुल बनता भारत

भारत की अफ्रीका के साथ गहरी और दीर्घावधि गतिविधियों की वजह से वह महाद्वीप के लिए एक प्राकृतिक पुल बन सकता है। इसमें भौगोलिक और औद्योगिक वैल्यू चेन शामिल है।

भारत द्वारा तय किया गया तीव्र आर्थिक विकास जापानी कंपनियों के लिए एक आदर्श केंद्र है। जिसे अफ्रीका और मध्य एशिया तक विस्तार होगा। जापान का निवेश, भारत का मजबूत औद्योगिक बेस, डिजिटल क्षमताएं और अफ्रीका की प्रतिभा व उपभोग क्षमता एक साथ सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद परिणाम ला सकती है। भारत और जापान अफ्रीकी देशों के लिए एक सशक्त सप्लाई चेन के लिए भागीदारी कर सकते हैं।

मई में रूस का दौरा कर सकते हैं पीएम मोदी

80वीं 'महान देशभक्ति युद्ध परेड' में होंगे अतिथि, दोस्त 'पुतिन' से भी होगी मुलाकात

भारतीय सेना का एक दल भी होगा शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

द्वितीय विश्व युद्ध में रूस के हाथों जर्मनी की

पीएम नरेंद्र मोदी मई में एक बार फिर रूस का दौरा कर सकते हैं। रूसी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी मॉस्को के रेड स्कवायर पर आयोजित होने वाली 80वीं ग्रेट पैट्रियोटिक वॉर (महान देशभक्ति युद्ध) परेड में बतौर अतिथि शामिल होंगे। यह कार्यक्रम द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसे महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध भी कहा जाता है।

पीएम मोदी का दौरा ऐसे समय होगा, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच पहले चरण की वार्ता इसी महीने सऊदी अरब के शहर रियाद में हुई है। पीएम मोदी पहले भी रूस और यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिलकर शांति की अपील कर चुके हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान पीएम मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर सकते हैं।

एक माह पहले जाएगी सेना

इसके अलावा, भारतीय सेना की एक टुकड़ी भी इस परेड में शामिल हो सकती है। सैन्य सूत्र ने बताया कि रेड स्क्वायर पर होने वाले परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक टुकड़ी की भागीदारी पर भी काम किया जा रहा है, जिसे रिहर्सल के लिए कम से कम एक महीने पहुंचना चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि भारतीय सैन्यकर्मियों को रूस भेजने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा चल रही है। भारतीय सेना का दल परेड से एक महीने पहले ही रूस जा सकता है ताकि परेड की रिहर्सल कर सके।

अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी आएंगे

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने कहा है कि पीएम मोदी के अलावा कई अन्य देशों के राष्ट्र प्रमुख भी ग्रेट पैट्रियोटिक वॉर परेड में बतौर अतिथि शामिल हो सकते हैं। कई आमंत्रित देशों ने 9 मई को होने वाली परेड में आने की पुष्टि कर दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भी कहा है कि कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को परेड में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है।

करीब 4 साल चला था युद्ध

बता दें, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान रूस और नाजी जर्मनी के बीच लड़े गए युद्ध को ग्रेट पैट्रियोटिक वॉर (महान देशभक्ति युद्ध) के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध 22 जून 1941 से 9 मई 1945 तक चला था। यह मानव इतिहास के सबसे बड़े और खूनी युद्धों में से एक माना जाता है। जर्मनी की हार के साथ इस युद्ध की समाप्ति हुई थी।

पठानकोट में बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

घुसपैठ की साजिश हुई नाकाम एक पाकिस्तानी को मार गिराया

एजेंसी ▶▶ पठानकोट

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बुधवार को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पंजाब के पठानकोट में पाकिस्तान से सटे एरिया में एक घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया। बीएसएफ के जवानों ने ये कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार,पठानकोट के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया बॉर्डर क्रॉस करने की तैयारी में था। आरोपी भारतीय सीमा

में घुस चुका था। बीएसएफ के जवानों ने उसे देखा और रुकने की चेतावनी दी। जवानों की चेतावनी के बाद भी घुसपैठिया भारतीय सीमा की तरफ कदम बढ़ाता चला गया। ऐसे में खतरे को भांपते बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठिए को मार गिराया।

घुसपैठिए की पहचान की जा रही

बीएसएफ के अनुसार, '26 फरवरी की सुबह ताशपतन बॉर्डर पोस्ट पर जवानों ने सीमा के पार संदिग्ध गतिविधि देखी। वह भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। सतर्क जवानों ने उसे चेतावनी दी लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा।

ऐसे में खतरे को भांपते हुए बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठिए को मार गिराया।

अरुणाचल सीमा पर बनेगा 1400 किमी लंबा हाईवे, अब किसी भी मौसम में पहुंचेगी सेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीन सीमा के पास केंद्र सरकार ने बड़े हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। इससे सीमांत इलाकों तक संपर्क में इजाफा होगा, इसके अलावा सुदूर अरुणाचल प्रदेश से अन्य राज्यों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। अरुणाचल प्रदेश पर तवांग नाम से चीन दावा करता रहा है। ऐसे में उसके लिए इतने बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान कर भारत ने उसे सीधा संदेश दिया है। मोदी सरकार के मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के

कामले जिले में लगे एक मेले के दौरान इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह हाईवे चीन और भारत सीमा पर 12 जिलों से होकर गुजरेगा। यह एक सपने के पूरे होने जैसा होगा और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए यह गेमचेंजर बनेगा। रिजिजू ने कहा कि इस हाईवे पर 42,000 करोड़ रुपए की लागत आने वाली है।यह अकेला ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने एक बार में ही इतने बड़े फंड को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे रणनीतिक रूप से बेहद अहम होगा।

पीएम मोदी ने दी मंजूरी

रिजिजू ने कहा कि इससे पहले भी पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे, कोलकाता-चेन्नई हाईवे और जयपुर दिल्ली कॉरिडोर आदि पर बड़ी लागत लगी है, रणनीतिक रूप से अहम प्रोजेक्ट्स की बात करें तो यह सबसे अहम होगा। यह हाईवे अरुणाचल प्रदेश के रणनीतिक रूप से संवेदनशील ईस्ट कामेंग, बिशोम, अपर सुबानसिरी, शी-योमी, अनजॉ और चांगलांग जैसे जिलों से होकर निकलेगा।

रिजिजू ने कहा कि इतना अहम प्रोजेक्ट पीएम नरेंद्र मोदी के चलते ही मंजूर हुआ है।

यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों में ऐसा क्या, जिससे अमेरिका खरबों कमाएगा

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों का सौदा करने को राजी हो गए हैं। वो डील पर साइन करने के लिए शुक्रवार को व्हाइट हाउस जा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प पिछले 1 महीने से दबाव बना रहे थे, लेकिन तब जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। यूक्रेन में करीब 11 ट्रिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज मौजूद हैं। ये रकम भारत की कुल इकोनॉमी से भी 3 गुना ज्यादा है।

यूक्रेन में 100 से ज्यादा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। इनमें 20 भंडार ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अमेरिका की इकोनॉमी ग्रोथ और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया है। यूक्रेन में मौजूद कुछ प्रमुख खनिज...

1. टाइटेनियम: यह चांदी जैसी दिखने वाला मैटेरियल जमीन के अंदर चट्टानों के टुकड़ों के रूप में पाया जाता है। टाइटेनियम लोहे से 50% और स्टील से 56% हल्का होता है, फिर भी दोनों धातुओं से कई गुना ज्यादा मजबूत होता है। टाइटेनियम को पिछलाने के लिए 2 हजार डिग्री सेल्सियस के तापमान की जरूरत होती है। यानी ये ज्यादा गर्मी सह सकता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल विमानों से लेकर पावर स्टेशनों तक में होता है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत से पहले ग्लोबल टाइटेनियम उत्पादन में 7% हिस्सा यूक्रेन का था।

2. लिथियम: ज्वालामुखी वाली चट्टानों और झरनों में पाया जाने वाला लिथियम हल्के सफेद रंग का होता है। यह दुनिया की सबसे हल्की धातु है। लिथियम को खुली हवा में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर फौरन आग पकड़ लेता है। इस वजह से लिथियम को तेल में डुबोकर रखा जाता है। लिथियम को एक चाकू से भी काटा जा सकता है, क्योंकि यह बहुत सॉफ्ट होता है। इसका इस्तेमाल बैटरियों को बनाने में होता है। यूरोप के कुल लिथियम भंडार का 33% हिस्सा यूक्रेन के पास है।

3. यूरेनियम: यह एक रेडियोएक्टिव धातु है, जो चट्टानों और झरनों में पाई जाती है। यूरेनियम को दुनिया की सबसे खतरनाक धातु भी कहते हैं क्योंकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में होता है। दुनियाभर के कुल यूरेनियम का 2% यूक्रेन में पाया जाता है।

4. रेयर अर्थ मिनरल्स: यह 17 खनिजों का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसमें सेरियम, डिस्प्रोसियम, अर्बियम, यूरोपियम, गैडोलीनियम, होल्मियम, लैंथेनम, ल्यूटेटियम, नियोडिमियम, प्रेसियोडीमियम, प्रोमेथियम, समैरियम, स्कैंडियम, टेरबियम, थ्यूलियम, येटरबियम और इड्रियम शामिल हैं।

इसके अलावा यूक्रेन में ग्रेफाइट का भी बड़ा भंडार मौजूद है, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने में इस्तेमाल होता है।

ट्रम्प ने यूक्रेन के 50% दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने का प्रस्ताव दिया है। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है।

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन्स की सीनियर लेक्चरर जेसिका गेनॉयर ने ABC न्यूज को बताया कि ट्रम्प का ध्यान यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों पर बना हुआ है, क्योंकि ट्रम्प इससे अमेरिकी सुरक्षा और उद्योग को बढ़ाना चाहते हैं। ट्रम्प इन खनिजों की मदद से चीन को कड़ी टक्कर देना चाहते हैं।

यूक्रेन के लुहांस्क, डोनेट्स्क, जपोरिजिया और खेरसॉन पर इस वक्त रूस का कब्जा है। इन प्रांतों में यूक्रेन के कुल खनिज भंडार का 53% हिस्सा है, जिसकी कीमत 6 ट्रिलियन पाउंड यानी करीब 660 लाख करोड़ रुपए हैं। इस पर पुतिन का सितंबर 2022 से कब्जा है।

25 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के साथ दुर्लभ खनिजों की डील करने की इच्छा जताई। पुतिन ने कहा कि रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए हम अमेरिका के साथ काम करने को तैयार हैं। रूसी कंपनियां रूस की जमीन से भी नेचुरल रिसोर्स एक्स्ट्रैक्ट कर सकती हैं। उनमें वो जमीन भी शामिल हैं, जो रूस ने यूक्रेन से हथियाई हैं।

दुनियाभर में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई पर चीन का कब्जा है। पिछले कुछ दशकों में चीन दुर्लभ खनिजों के खनन और इसकी प्रोसेसिंग के मामले में सबसे बड़ा देश बन गया है। माइनिंग टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन दुनिया के 60% से 70% दुर्लभ खनिजों का उत्पादन करता है, जबकि 90% दुर्लभ खनिज चीन में ही प्रोसेस होते हैं।

2023 की यूएस जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 से 2021 में अमेरिका ने चीन से 74% रेयर अर्थ मिनरल्स आयात किए थे। इसके अलावा 53% गैलिलियम और 33% ग्रेफाइट समेत 9 अन्य खनिजों का आयात भी किया था।

ट्रम्प दुर्लभ खनिजों की सप्लाई में अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल अमेरिका इन खनिजों के लिए चीन पर निर्भर है। अमेरिका को दोबारा महान बनाने की बात करने वाले ट्रम्प के लिए ये चिंता की बात है। इससे अमेरिका का आर्थिक और सैन्य मोर्चे पर दांव कमजोर पड़ सकता है।

3 साल तक अमेरिका ने जंग में यूक्रेन को सपोर्ट किया, लेकिन ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने यूक्रेन से अपना हाथ खींच लिया और हर मदद पर रोक लगा दी।

ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगना शुरू किया। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन को 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे, क्योंकि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद रूस किसी भी दिन उसे अपने में मिला सकता है।

12 फरवरी 2025 को ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर करीब 90 मिनट तक बातचीत की। 18 फरवरी को सऊदी अरब में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मीटिंग की। 4 घंटे तक चली मीटिंग में सबसे अहम मुद्दा रहा है- रूस-यूक्रेन जंग को रोकना।

मीटिंग में जानबूझकर एक भी यूक्रेनी प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, 'कोई भी निर्णय यूक्रेन पर थोपा नहीं जा सकता।'

इसी दिन ट्रम्प ने कहा, 'जेलेंस्की को कभी जंग शुरू नहीं करनी चाहिए थी। वो एक समझौता कर सकते थे।'

19 फरवरी को ट्रम्प ने जेलेंस्की को कॉमेडियन और तानाशाह कहा। जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। फिर खबरें आईं कि इस डील के बदले यूक्रेन ने सुरक्षा की गारंटी मांगी है, लेकिन आखिरकार कोई विकल्प न पाकर जेलेंस्की डील करने को राजी हो गए हैं।

दुर्लभ खनिज संपदा के सौदे की शर्तें आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई हैं। हालांकि अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कुछ बातें पता चली हैं।

जैसे- अमेरिका ने इस डील के बदले यूक्रेन को कोई सुरक्षा की गारंटी या हथियारों की सप्लाई की गारंटी नहीं दी है। डील में सिर्फ ये जिक्र है कि अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन स्वतंत्र, संप्रभु और सुरक्षित रहे।

इसके अलावा खनिजों से होने वाली आमदनी पर अमेरिका का इकलौता अधिकार नहीं होगा। अमेरिका और यूक्रेन मिलकर एक पुनर्निमाण कोष बनाएंगे। अमेरिका दुर्लभ खनिज के बदले यूक्रेन के री-डेवलपमेंट (पुनर्विकास) में मदद करेगा।

जब ट्रम्प से पूछा गया कि यूक्रेन को इस डील से क्या मिलेगा, तो जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही उसे जंग के दौरान 350 बिलियन डॉलर और बहुत सारे सैन्य उपकरण दे चुका है।

अमेरिका और यूक्रेन की दुर्लभ खनिज डील को रूस-यूक्रेन समझौते के रूप में देखा जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि यह समझौता रूस के साथ यूक्रेन के युद्धविराम की राह में पहला कदम होगा।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

परिसीमन की तलवार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 'दक्षिणी राज्यों के सिर पर लटकती डी-लिमिटेशन की तलवार' के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। यह भी स्पष्ट है कि इस पहल के जरिए उन्होंने सारे दक्षिणी राज्यों की चिंता को स्वर दिया है।

संवैधानिक जरूरत : डी-लिमिटेशन या परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। संवैधानिक संशोधन के जरिए पहले 1976 में 25 वर्षों के लिए और फिर 2002 में साल 2026 तक के लिए इसे टाल दिया गया। 2011 के बाद 2021 में जो जनगणना होनी थी, कोविड के चलते वह भी टल गई। हालांकि सरकार ने अभी कोई तारीख नहीं घोषित की है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले साल तक जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी।

अहमियत घटने का डर : चूंकि परिसीमन का आधार क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को बनाया जाता रहा है, इसलिए दक्षिणी राज्यों को डर है कि इसके परिणास्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और अहमियत कम हो जाएगी। उनका डर निराधार नहीं कहा जा सकता क्योंकि जनसंख्या के मामले में दक्षिणी राज्यों के मुकाबले उत्तर भारत कहीं आगे है।

यूपी-बिहार हावी : आजादी के बाद जहां साउथ के राज्यों ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए वहीं परिवार कल्याण योजनाओं के जरिए आबादी की बढ़ोतरी को भी काबू किया। 2011 की जनगणना के मुताबिक जहां उत्तर के सिर्फ दो राज्य - यूपी और बिहार- देश की कुल आबादी का 25 फीसदी थे वहीं साउथ के पांचों राज्य मिलाकर महज 21 फीसदी। ताजा सरकारी अनुमानों के मुताबिक यह प्रतिशत क्रमश: 26 और 19.5 हो चुका है। जाहिर है, आबादी के आधार पर परिसीमन लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के सांसदों की संख्या कम करेगा। स्टालिन ने कहा भी है कि तमिलनाडु को कम से कम आठ सीटों का नुकसान होगा।

अच्छे प्रदर्शन का नुकसान : यह भी एक तथ्य है कि दक्षिण के राज्य देश के कॉरपोरेट और इनकम टैक्स में एक चौथाई का योगदान करते हैं जबकि यूपी और बिहार का योगदान महज 3 फीसदी बैठता है। इस मसले को कैसे हल किया जाता है, यह देखना होगा लेकिन इस दलील में दम है कि देश के किसी भी हिस्से को उसके अच्छे प्रदर्शन का नुकसान नहीं होने देना चाहिए।

मोटापा

शिशिर शुक्ला

स्वास्थ्य को लेकर पीएम मोदी की अहम पहल

आज मोटापे की समस्या दिन-ब-दिन मानव स्वास्थ्य के लिए एक गंभीरतम रूप लेती जा रही है। एक सीमा से अधिक मोटापा हर हालत में जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक जागरुकता अभियान चलाया है। खास बात यह है कि इस अभियान में सहायता हेतु उन्होंने देश की जानी-मानी हस्तियों को नामित किया है। प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रत्येक देशवासी से अपने भोजन में तेल की खपत को दस फ़ीसदी तक कम करने का अनुरोध किया है। निश्चित रूप से किसी देश के मुखिया के द्वारा ऐसा कदम उठाया जाना एवं अपनी जनता से स्वास्थ्य संबंधी एक महत्वपूर्ण अपील किया जाना उनकी बुद्धिमत्तापूर्ण दूरदर्शिता का परिचायक है। गौरतलब है कि मोटापे की समस्या के पीछे उत्तरदायी कारकों में जो सबसे महत्वपूर्ण कारक है, वह है–अनियमित जीवन शैली एवं अनियंत्रित खान-पान। ये दोनों कारक आज के युवा एवं किशोरवर्ग के संदर्भ में कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि वे न तो किसी नियमित दिनचर्या का पालन कर रहे हैं एवं न ही कोई व्यवस्थित खानपान उनकी जीवन शैली का हिस्सा बन पा रहा है। एक रिपोर्ट बताती है कि कोल्ड ड्रिंक पीने एवं बर्गर व पिज़्ज़ा जैसे फास्ट फूड खाने की लत युवाओं को समय से पहले बूढ़ा कर रही है। नतीजा यह हो रहा है कि समय से पहले युवा मोटापे की चपेट में आकर अनेक बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में बताया गया है कि ऐसे युवा जो नियमित रूप से चिप्स, बिस्किट, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं उनके बीमार होने एवं सुस्त रहने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। इटली के इंस्टिट्यूट ऑफ़ न्यूरोलॉजिको के वैज्ञानिकों ने 22495 वयस्कों पर किए गए शोध के अनुसार निष्कर्ष निकाला है कि डिब्बाबंद खाना खाने से बुढ़ापा जल्दी आ सकता है। इसके साथ ही फास्ट फूड एवं डिब्बा बंद भोजन का सेवन करने से मोटापे की समस्या अनियंत्रित रूप से बढ़ती जाती है जो भविष्य में मधुमेह एवं कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को भी खींच लाती है। एक बहुत पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। मोटापा एक ऐसी समस्या है जो शरीर को उत्तम स्वास्थ्य से दूर करने का एक महत्वपूर्ण कारण बन जाता है। किसी देश के विकास के लिए यह परम आवश्यक है कि वहां का युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णरूपेण सशक्त हो। मोटापे की समस्या कहीं न कहीं युवाओं के अंदर कार्य के प्रति लगन एवं उत्साह को भी क्षीण करने का कार्य करती है। नतीजा यह होता है कि वह स्वयं के विकास, परिवार के विकास, समाज की प्रगति एवं राष्ट्र की उन्नति में वह भूमिका नहीं निभा पाता जोकि उससे अपेक्षित होती है। एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में भारत में लगभग सात करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त थे जिनमें 4.4 करोड़ महिलाएं एवं 2.6 करोड़ पुरुष थे। इससे भी ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि इतनी बड़ी संख्या में 50 लाख से अधिक बालिकाएं एवं 70 लाख से अधिक बालक शामिल थे जिनकी आयु 19 वर्ष से कम थी।

आईसीएमआर की एक अन्य रिपोर्ट यह कहती है कि वर्तमान में भारत में बारह करोड़ से भी ज्यादा लोग ऐसे हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल एवं सांस फूलने जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। सुस्पष्ट है कि ये सभी बीमारियां मोटापे की वजह से ही उत्पन्न होती हैं। आज के युवाओं की जीवनशैली से शारीरिक श्रम तो बिल्कुल गायब सा होता जा रहा है। उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, कंप्यूटर अथवा लैपटॉप पर कार्य करते हुए बीत जाता है। ऑफिस से घर एवं घर से ऑफिस वाली दिनचर्या उन्हें शारीरिक व्यायाम से कोसों दूर लेती जा रही है। निस्संदेह भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाने वाली मोटापे की समस्या की चिंता करते हुए उठाया गया कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ही भारत के प्रत्येक नागरिक को भी यह समझना होगा कि इस अभियान को सफल बनाना प्रत्येक व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है। जब तक हम स्वयं समस्या की गंभीरता एवं इसके प्रभावों के विषय में जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम समाज एवं राष्ट्र के प्रति इस समस्या के संदर्भ में कोई योगदान नहीं कर सकते। यह एक कड़वा सच है कि समस्या का पूर्णरूपेण उन्मूलन तभी संभव है जब समाज का हर तबका एवं देश का हर नागरिक इस समस्या की जड़ तक जाते हुए इससे मुक्त होने का भरसक प्रयास करे।

(लेखक विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग एसएसपीजी कॉलेज, शाहजहांपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रज्ञा के जागरण से बदलेगी दृष्टि

संकलित

दर्शन

आंख साफ है तो दुनिया साफ है। आंख में धुंधलापन है तो सारी दुनिया धुंधली हो जाती है। तर्कशास्त्र में 'द्विचंद्रबोध' की बात आती है। चांद है तो एक, किंतु दृष्टि दोष के कारण वह दो दिखाई देता है। जीवन-निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है- दृष्टिकोण का विपर्यय। जीवन-निर्माण का सबसे बड़ा रहस्य-सूत्र है-दृष्टिकोण का निर्माण। प्रसिद्ध कहावत है- 'जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि।' पहले हम दृष्टि को बदलने की बात करें। सृष्टि को बदलने की बात पहले न करें। यदि दृष्टि बदलती है तो प्रयोजन पूरा हो जाता है। सृष्टि अपने आप बदल जाती है। उसके लिए इतनी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सबसे जटिल प्रश्न है दृष्टि को बदलना। यदि ध्यान के द्वारा दृष्टि बदल जाती है तो बहुत कुछ हो सकता है। मेरा विश्वास प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है कि जिसने सच्चाइयों का साक्षात्कार कर लिया है, उसकी दुनिया बदल जाती है। जिसने सच्चाई का साक्षात्कार नहीं किया, वह हजार बार दुहाई देगा, पर बदलेगा नहीं। सबसे बड़ा प्रश्न है- सत्य का साक्षात्कार। दृष्टि बदलने का अर्थ है- सत्य का साक्षात्कार होगा। जो ज्ञान बाहर से पैदा होता है वह है- इंद्रिय ज्ञान। प्रज्ञा है- आंतरिक ज्ञान। वह 'आयसमुत्था' बाहर से पैदा नहीं होती। एक अनपढ़ आदमी बहुत प्रज्ञावान और बहुत ज्ञानी हो सकता है। एक पढ़ा-लिखा आदमी बड़ा मूर्ख हो सकता है। प्रज्ञा का जागरण भीतर होता है। शक्ति का जागरण भीतर होता है। हम बाहर शक्ति को खोजते हैं। किंतु मूल स्रोत हमारे भीतर है। प्राण शक्ति प्रबल होती है तो बाहर की शक्ति भी काम आती है। प्राण शक्ति नहीं है तो बाहर की शक्ति भी सहारा नहीं दे सकती।

हर दिन को होगा सुखद और आनंददायक

संकलित

प्रेरणा

जीवन के हर दिन को आप सुखद बनना चाहते हैं लेकिन हर दिन आपका कैसा सुखद बनेगा। इस विषय में अगर आप सोच विचार कर रहे हैं तो सद्गुरु श्री मधुसूदन साई के बताए आध्यात्मिक मार्ग पर चलना चाहिए। वस्तुतः, आनंद प्रत्येक व्यक्ति का सच्चा लक्ष्य है। मनुष्य आनंद की लालसा करता है और इसे अनेक रीतियों से खोजने का प्रयास करता है। वह अच्छा भोजन करने में, मैत्रीपूर्ण सामाजिक समूहों में, स्नेही परिवार में, एक भारी-भरकम वेतन में, शानदार पर्यटन में, तथा सबसे बढ़िया घरों एवं कारों में आनंद प्राप्त करता है। फिर भी, अपनी आशा के अनुरूप प्राप्त कर लेने के उपरांत भी, उसकी प्रसन्नता स्थायी नहीं रहती है। जीवन के उतार-चढ़ाव उसे बार-बार झकझोरते रहते हैं। चाहे वह खाना हो, सोना हो, खेलना हो, प्रार्थना करना हो अथवा कार्य करना। अपनी सभी गतिविधियों को संतुलित करने से आपके जीवन में जो संतुलन आएगा, वह आपके जीवन के प्रत्येक दिन को पूर्णता से जीने में सहायता करेगा। वह करें, जिसके लिए आप जन्मे हैं। अपने जुनून को अपना पूर्णकालिक व्यवसाय बनाएं। आप प्रत्येक दिन संतुष्टि का अनुभव करेंगे तथा सदैव अपनी उत्कृष्टता की पराकाष्ठा प्राप्त करेंगे। आप अपनी आयु के आधार पर अपना परोपकार का चार्ट बना सकते हैं। परोपकार का आपकी वित्तीय व्यवस्था में एक अंश अवश्य होना चाहिए, क्योंकि केवल इसका समावेश ही आपको अद्वितीय संतोष की अनुभूति प्रदान कर सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर बेजा कब्जा

राजधानी की सड़कों के दोनों ओर दुकानदारों के बेजा कब्जे से सड़कों पर जाम लगने लगा है। सुबह और शाम के वक्त संतोषीनगर से रिंग रोड तक पहुंचना मुश्किल होता है। रिंग रोड के आसपास आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। खासकर दुकानदार कई फीट सड़क पर सामान रख रहे हैं। ऐसे में सड़कें संकरी हो जाती है और लोगों का गुजरना मुश्किल होता है। निगम और ट्रैफिक पुलिस एक-दो बार कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। फिर स्थिति ज्यों की त्यों हो जाती है।

– राजेंद्र कुमार, संतोषीनगर

ट्रेंड

कन्नड़ के लिए गर्व का क्षण

कन्नड़ साहित्य के लिए गर्व का क्षण है। बानू मुश्ताक का कन्नड़ लघुकथा संग्रह अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की लॉग लिस्ट में शामिल हुआ है। यह हमारी भाषा और संस्कृति के लिए एक बड़ा सम्मान है!

-सिद्धारमैया, सीएम, कर्नाटक

निवेशकों का भरोसा उठ रहा

देश के शेयर बाजार के लगातार गिरने का कारण यदि विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से पैसा निकालना है तो ये दर्शाता है कि विदेशी निवेशकों का भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था से भरोसा उठ गया है। निवेश को आकर्षित करने के नाम पर जो करोड़ों खर्च किया जाता है, वो कितना निरर्थक है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

बीएफआई का चुनाव

भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है कि वे विदेश में अभ्यास करें। इसके लिए मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द चुनाव कराने की जरूरत है। अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो मुझे योगदान करने में खुशी होगी।

-विजेंदर सिंह, भारतीय मुक्केबाज

थ्रिलर श्रृंखला की शूटिंग

कुछ रहस्य यूं ही नहीं खुलते, वे आपको अंदर खींच लेते हैं, आपको अनुमान लगाने पर मजबूर कर देते हैं और जाने नहीं देते। हमें इस मामले में एक सुराग मिल गया है। एक नई रहस्य थ्रिलर श्रृंखला बन रही है! इसकी शूटिंग शुरू हो गई है।

परिणीति चोपड़ा, अभिनेत्री

करंट अफेयर

इंटरनेट की लत से लड़ने में मदद के लिए एम्स में केंद्र

बच्चों और युवाओं को इंटरनेट तथा प्रौद्योगिकी की लत से लड़ने में मदद करने के लिए देश में अपनी तरह का पहला केंद्र अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में स्थापित किया जाएगा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने हाल ही में तकनीक के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग से संबंधित व्यसनकारी व्यवहार पर उन्नत शोध केंद्र (सीएआर-एबी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एम्स, दिल्ली में व्यवहार व्यसन क्लीनिक (बीएसी) के संकाय प्रभारी यतन पाल सिंह बल्हारा इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग को एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना गया है। डॉ बल्हारा ने कहा कि भारत के आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) में बच्चों और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि को इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से जोड़ा गया है और बच्चों एवं किशोरों को उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए इंटरनेट से दूर रखने के लिहाज से स्कूल एवं परिवार के स्तर पर हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र लत लगने संबंधी विभिन्न व्यवहारों पर समग्र रूप से ध्यान देगा।

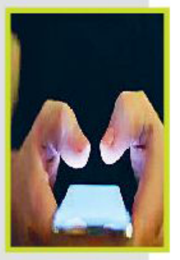

ऑफ बीट

मंगल ग्रह का लाल रंग लौहयुक्त खनिज की उपस्थिति के कारण

एक नए अध्ययन के अनुसार मंगल ग्रह का लाल रंग लौह-युक्त खनिज की उपस्थिति के कारण हो सकता है, जिसके निर्माण के लिए ठंडे पानी की आवश्यकता होती है और इससे यह संभावना मजबूत होती है कि यह ग्रह अतीत में रहने योग्य रहा होगा। 'नेचर कम्युनिकेशन्स' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि लाल ग्रह पर स्थित धूल विभिन्न खनिजों का मिश्रण है, जिसमें आयरन ऑक्साइड भी शामिल है, जिनमें से एक - फेरिहाइड्राइट - ग्रह के रंग का कारण हो सकता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल फेलो तथा अध्ययन के प्रमुख लेखक एडम वैलेंटिनास ने कहा, हम फेरिहाइड्राइट को मंगल ग्रह के लाल होने का कारण मानने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन अब हम अवलोकन डेटा और प्रयोगशाला के नए तरीकों का उपयोग करके इसका बेहतर परीक्षण कर सकते हैं, ताकि अनिवार्य रूप से प्रयोगशाला में मंगल ग्रह की धूल बनाई जा सके। उन्होंने कहा, हमारे विश्लेषण से, हमें विश्वास है कि फेरिहाइड्राइट धूल में हर जगह है और संभवत: चट्टान संरचनाओं में भी है। हालांकि, चूंकि फेरिहाइड्राइट ठंडे पानी की मौजूदगी में बनता है और पहले लाल रंग देने वाले माने जाने वाले हेमेटाइट जैसे खनिजों की तुलना में कम तापमान पर बनता है, इसलिए निष्कर्ष बताते हैं कि मंगल पर टिकाऊ तरल पानी को बनाए रखने में सक्षम वातावरण हो सकता है।

अधिकारी संवेदनशील होकर करें काम, आमजन को दें राहत

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। अधिकारी संवेदनशील होकर काम करें और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक केन्द्र व राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं एवं उन्हें राहत प्रदान करें। यह बात मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को अजमेर में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कानून एवं शांति व्यवस्था, सुशासन, राज्य बजट घोषणा, राजस्व एवं विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं कामकाज की समीक्षा की। संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा एवं पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश ने संभाग की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंच सके। मुख्य सचिव ने आगामी अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की तथा सुचारू एवं निष्पक्ष सम्पादन के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की गई। साथ ही नकल एवं त्रुटि रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव पंत ने लंबित भूमि रूपांतरण और नामांतरण मामलों का जिला कलक्टर एवं एसडीएम स्तर पर विश्लेषण किया। ये मुद्दे आम आदमी से जुड़े हुए हैं इसलिए इनका निस्तारण प्राथमिकता से करें। समय-समय पर कुछ प्रकरणों की जांच भी उच्च स्तर से होनी चाहिए। ई-गवर्नेंस और प्रशासनिक सुधार पर चर्चा की। फाइल निस्तारण में औसत समय और पेंडेंसी का आकलन कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समस्त पत्रावलियां ई-फाईलिंग सिस्टम से ही सम्पादित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजकीय भूमि को निजी खातेदारी घोषित करने के फैसलों की अपील सक्षम न्यायालय में की जानी चाहिए। इसके लिए पूर्व में किए गए निर्णयों की जांच करें। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए लगातार कार्यवाही की जाए। इस सम्बन्ध में की गई कार्यवाही की समीक्षा प्रतिमाह जिला स्तर पर होनी चाहिए। आबकारी विभाग, पुलिस विभाग एवं अन्य विभाग मिलकर यह कार्य करें। अवैध खनन को रोकने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, वन, खनन एवं परिवहन विभाग मिलकर कार्य करें। संगठित अवैध खनन को रोकना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। नागौर में अवैध खनन रोकने के लिए आरएसी पुनः तैनात करने की कार्यवाही करें। पंत ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को रोकना आवश्यक है। अपराधों को होने से पहले रोकना बडी सफलता होती है। समाज में जागरूकता एवं प्रशासन मे संवेदनशीलता से यह कार्य किया जा सकता है। राजमार्गों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए क्षेत्रवार डाटा का विश्लेषण कर योजनाएं बनाए। अन्य स्थानों पर किए गए नवाचारों को स्थानीय आवश्यकता के अनुसार उपयोग लें। हाल ही में लागू किए गए नए तीन आपराधिक कानूनों में नियमानुसार एफएसएल जांच एवं ई-सम्मन शत—प्रतिशत करावें। गृह विभाग के द्वारा जारी आदेश तथा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सभी प्रशिक्षण प्राप्त करें। इन कानूनों से जुड़ी मोबाइल एप का भी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। नोटिस की ई-तामिली कराने के लिए सम्बन्धित थाने के लेण्डलाइन से फोन भी जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईजीगोट मिशन कर्मयोगी के तहत प्रशिक्षण की प्रगति बढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए। क्षेत्र में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमानुसार कार्यवाही की जानी चाहिए। क्षेत्र की घटनाओं पर लगातार नजर रखें। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जल जीवन मिशन की प्रगति तथा पीएचईडी कार्यों के लिए लंबित विद्त कनेक्शन एवं भूमि आवंटन मामलों की स्थिति की जानकारी ली। लंबित भूमि अवाप्ति मामलों की समीक्षा कर त्वरित कार्यवाही करने को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति को बढ़ाने एवं सौर ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाने के निर्देश दिए। यह फ्लेगशिप योजना सरकार की प्राथमिकता है। कृषि एवं राजस्व से जुड़े मुद्दों पर संभाग की जिलेवार समीक्षा की। इसमें कृषि बिजली कनेक्शन और विद्त आपूर्ति की स्थिति एवं कृषि इनपुट जैसे बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को निर्देश दिए। समर्थन मूल्य पर खरीद की मोनिटरिंग कर किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने बजट 2025-26 में घोषित परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्थिति पर चर्चा कर घोषणाओं को धरातल पर उतारने एवं शीघ्र क्रियान्विति के निर्देश दिए। स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को समय पर देने के निर्देश दिए। इसमें आयुष्मान कार्ड, टीबी मुक्त भारत एवं आयुष्मान वय वंदना योजना की प्रगति की समीक्षा सहित प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन की स्थिति की जानकारी ली। भारत को 2025 तक टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करें। उन्होंने राजस्व अर्जन से जुड़े वाणिज्य कर, आबकारी, पंजीयन, स्टांप, खनन एवं परिवहन से संबंधित राजस्व संग्रहण की समीक्षा भी की। पुरानी बकाया वसूली के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। संपर्क पोर्टल और सीपीग्राम्स पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। संभाग में 90 दिन से पूराने प्रकरणों को शून्य करने का प्रयास करें। इस अवसर पर अजमेर संभाग के जिला कलक्टर लोक बन्धु, अरूण कुमार पुरोहित, जसमीत सिंह सन्धु, डॉ. सौम्या झा, महेन्द्र सिंह खड़गावत, पुखराज, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त नित्या के. सहित अजमेर संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

CII राजस्थान का एनुअल सेशन कल राजस्थान के उद्योग जगत से जुड़े दिग्गज शामिल होंगे

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। CII राजस्थान के एनुअल डे के मौके पर गुरुवार को जयपुर के रामबाग पैलेस स्थित मन महल में "राजस्थान राइजिंग इनोवेशन इन्वेस्टमेंट एंड ग्रोथ" विषय पर कॉन्फ्रेंस होगी। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस इवेंट में राजस्थान भर के उद्योग जगत से जुड़े दिग्गज शामिल होंगे। इस कॉन्फ्रेंस में इंडस्ट्री, इन्वेस्टमेंट और ग्रोथ को लेकर चर्चा होगी, जहां सरकारी अधिकारियों और इंडस्ट्री लीडर्स के बीच संवाद के जरिए राजस्थान के औद्योगिक विकास पर अहम विचार रखे जाएंगे। कॉन्फ्रेंस में राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई (उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले और खेल, कौशल, उद्यमिता, राजस्थान सरकार), CII नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन और जेके सिमेंट लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ माधव सिंघानिया, राजस्थान सरकार के इंडस्ट्रीज प्रिंसिपल सेक्रेटरी और रीको के चेयरमैन अजिताभ शर्मा, टूरिज्म सेक्रेटरी रवि जैन, रीको की मैनेजिंग डायरेक्टर शिवांगी स्वर्णकर, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ और वेदांता लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण मिश्रा, AU स्मॉल फाइनेंस बैंक के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर संजय अग्रवाल, सिक्योर मीटर्स लिमिटेड के ग्रुप सीईओ और एमडी सुकृत सिंघल, Ernst & Young LLP के पार्टनर शोभित माथुर, CII नॉर्दर्न रीजन के रीजनल डायरेक्टर प्रशांत ए.एन. और CII राजस्थान के सीनियर डायरेक्टर और हेड नितिन गुप्ता अपने विचार साझा करेंगे।

बिजयनगर में छात्राओं से छेड़छाड़ मामला

-जमाअते इस्लामी के प्रदेशाध्यक्ष बोले- घटना निंदनीय

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के बिजयनगर में स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना पर जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को शर्मनाक और निंदनीय बताया। नाज़िमुद्दीन ने राज्य में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन पर रोक लगाने के लिए समाज और सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे। प्रदेशाध्यक्ष ने घटना को सांप्रदायिक रंग देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि मीडिया में आरोपियों के नाम प्रकाशित कर घटना को सांप्रदायिक बनाने की कोशिश हो रही है। उनका कहना है कि न्यायालय के फैसले से पहले किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

नाज़िमुद्दीन ने मस्जिद और कब्रिस्तान को नोटिस जारी करने की कार्रवाई को गलत बताया। उन्होंने कब्रिस्तान का गेट सील करने और आरोपियों के घरों को बुलडोजर से कार्रवाई करने को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करार दिया। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा की मांग की। साथ ही कहा कि निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

जयपुर में 8 नई आवासीय योजना लाएगा जेडीए

-मार्च में 4 स्कीम लॉन्च होंगी, 1200 से ज्यादा प्लॉट

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) आठ नई आवासीय योजनाएं और तीन वेयर हाउस स्कीम लाने की तैयारी कर रहा है। इनमें से 4 स्कीम के लिए मार्च में आवेदन शुरू होंगे, जिनमें 1200 से ज्यादा प्लॉट उपलब्ध होंगे। सभी प्लॉट का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। 4 साल बाद हाल ही में JDA ने 3 आवासीय योजनाएं लॉन्च की थी। पहली रेजिडेंशियल योजना सीकर रोड पर रामपुरा डाबड़ी के ग्राम बैनाड़ दौलतपुरा में प्रस्तावित है। दूसरी योजना टोंक रोड पर चाकसू हाईवे के पास है। तीसरी योजना बस्सी और चौथी निवारू रोड से लालचंदपुरा के बीच मंशारामपुरा में प्रस्तावित है। बाकी चार रेजिडेंशियल योजना अजमेर रोड पर जयरामपुरा, कालवाड़ रोड पर रोजड़ा, आमेर के राजावास और आगरा रोड पर बगराना में लॉन्च की जाएंगी।

पहली योजना:- सीकर रोड पर, स्कूल और खेल का मैदान भी होगा जेडीए के जोन-12 में नई आवासीय योजना प्रस्तावित है। इनमें से आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए 95 प्लॉट और निम्न आय वर्ग (LIG) के लिए 88 प्लॉट आरक्षित किए गए हैं। बाकी 174 प्लॉट सामान्य कैटेगरी के रहेंगे। JDA की परियोजना कार्य समिति इस योजना को हरी झंडी दे चुकी है। ऐसे में अब जेडीए रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (RERA) राजस्थान में इस योजना के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करेगा। जेडीए की इस योजना में ग्रुप हाउसिंग, फ्लैट्स, रिसोर्ट, कॉमर्शियल और रिटेल कॉमर्शियल के लिए प्लॉट आरक्षित किए गए हैं। योजना की भूमि में से ही जोनल प्लान की 100 फीट और 160 फीट चौड़ी सड़क प्रस्तावित है। इसकी 1.25 हेक्टेयर जमीन स्कूल और खेल के मैदान के लिए रिजर्व रखी है।

दूसरी योजना:- चाकसू कस्बे के पास, कॉमर्शियल प्लॉट भी होंगे चाकसू कस्बे की तरफ जाने वाली 200 फीट सड़क पर स्थित यह योजना टोंक रोड से भी बहुत नजदीक है। इस स्कीम में उच्च आय वर्ग के 48, मध्यम आय वर्ग-ए के 90 प्लॉट, मध्यम आय वर्ग-बी के 12 प्लॉट, आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के 44 प्लॉट और निम्न आय वर्ग के 107 प्लॉट हैं। जेडीए की इस योजना में ग्रुप हाउसिंग के 3, फ्लैट्स के लिए 3 प्लॉट और व्यवसायिक उपयोग के 64 प्लॉट हैं। 200 फीट सड़क की तरफ जेडीए की ओर से योजना में बड़े कॉमर्शियल प्लॉट प्रस्तावित किए गए हैं। ग्राम काठावाला जुझारूपुरा स्थित इस योजना की आरक्षित दर 25 हजार से 30 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर रहने की संभावना है। फिलहाल रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी में योजना का पंजीकरण कराने की तैयारी चल रही है।

तीसरी योजना:- इसमें अधिकांश आवासीय योजना बस्सी के खसरा नंबर 1629, 1630 और 1631 पर यह योजना प्रस्तावित है। इसमें अधिकांश प्लॉट आवासीय रहेंगे। योजना का रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी में रजिस्ट्रेशन करवाया जा चुका है। योजना की आरक्षित दर 14 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर रखी है। जेडीए की इस योजना के कुल 233 प्लॉट में से ईडब्ल्यूएस के 131, एलआईजी के 36 और एमआईजी-ए के 66 प्लॉट हैं।

चौथी योजना:- इसकी आरक्षित दर 13 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर जोन 12 में खसरा नंबर 37, 38 ,72 और 105 पर ये स्कीम प्रस्तावित है। यह योजना निवारू से लालंचदपुरा जाने वाली सड़क पर स्थित है। योजना का RERA में रजिस्ट्रेशन हो चुका है। योजना की आरक्षित दर 13 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर प्रस्तावित की गई है। जेडीए की इस योजना के कुल 157 प्लॉट में से ईडब्ल्यूएस के 39, एलआईजी के 70, एमआईजी-ए के 25 और एमआईजी-बी के लिए 23 प्लॉट हैं।

राजस्थान में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट

-4 डिग्री तक गिरा तापमान, जानें- आज कहां-कहां हो सकती है बरसात

जयपुर(रॉयल रॉयल)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से मंगलवार को जयपुर, जोधपुर, अजमेर, भरतपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के अधिकांश जिलों में दोपहर बाद बादल छा गए। इन शहरों में पारा 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया। कमजोर सिस्टम होने से बारिश नहीं हुई, लेकिन तापमान में उतार-चढ़ाव रहा। वहीं, मौसम विभाग ने आज बीकानेर संभाग के कुछ जिलों में इस सिस्टम के असर हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। 28 फरवरी को इस सिस्टम का सर्वाधिक प्रभाव दिखने की उम्मीद है। 6 जिलों में बारिश और ओले गिरने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस सिस्टम का असर 1 मार्च तक राजस्थान में देखने को मिल सकता है। पिछले 24 घंटे में राजस्थान के अधिकांश शहरों में दोपहर एक बजे तक मौसम साफ रहा। एक बजे बाद पाकिस्तान की तरफ से आए सिस्टम के कारण जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, नागौर, बाड़मेर, जालोर, राजसमंद, भरतपुर कोटा, उदयपुर, गंगानगर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, दौसा समेत तमाम शहरों बादल छा गए।

इन जिलों के तापमान में गिरावट हुई:- बादल छाने और हवा चलने से दिन के तापमान में गिरावट हुई। बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर समेत कई शहरों में दिन के अधिकतम तापमान में 1 से लेकर 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई। जैसलमेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, फलोदी में कल अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पिलानी, सीकर, गंगानगर, अजमेर, अलवर, जयपुर में कल अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। देर शाम को बादल छाने के साथ कई शहरों में हल्की ठंडी हवा चली। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिमी पाकिस्तान से एक बड़ा वेदर सिस्टम कल से राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में एक्टिव हुआ है। इस सिस्टम का असर इन राज्यों में अगले तीन दिन तक रहने की संभावना है। इस कारण कई इन राज्यों में कई स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। जयपुर मौसम केन्द्र ने आज बीकानेर संभाग के एरिया में दोपहर बाद वेस्टर्न डिर्स्टबेंस के असर से बादल छाने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। 27 फरवरी को इस सिस्टम के असर से बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग के जिलो में बादल छा सकते है। 28 फरवरी को 6 जिलों में इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ ओले भी गिर सकते है। 1 मार्च को इस सिस्टम का असर आंशिक तौर पर उत्तरी राजस्थान में देखने को मिल सकता है।

सदन-गतिरोध पर बोले मदन राठौड़- गहलोत दुविधा में

अपने शिष्य को सीधे माफी मांगने के लिए नहीं कह पाए

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहे गतिरोध पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत गतिरोध तुड़वाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होने कहा भी आसन का सम्मान सबको करना चाहिए। लेकिन वो दुविधा में थे कि क्या करें। एक तो उनका परम शिष्य माफी मांगने के लिए नाटक कर रहा था। वह अपने शिष्य को सीधे नहीं कह पाए। उनको सीधे निर्देश देना चाहिए था या उनके मन में भय था कि यह मानेगा ही नहीं, अब तो अध्यक्ष है और मैं कुछ नहीं हूं। ऐसा सोचकर के उन्होंने सीधे नहीं कहा।

कांग्रेस में अंतर्कलह, जनता भुगत रही :- मदन राठौड़ ने कहा कि सदन में हमको जनता चुनकर भेजती हैं। हमें सदन के माध्यम से जनता की आवाज को उठाना चाहिए। वहां पर हंगामा करना, अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप लगाना, यह ठीक बात नहीं है। सदन में शब्द चयन बहुत अच्छा होना चाहिए। वहीं अगर कभी स्लिप ऑफ टंग हो जाए तो तुरंत उस पर माफी मांग लेनी चाहिए। राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से भी कुछ गलतियां हुई। शब्द चयन में त्रुटी हुई। उन्होने आसन के प्रति उचित शब्दों का प्रयोग नहीं किया। उनको माफी मांग लेनी चाहिए। दूसरा जब वो स्पीकर के चैम्बर में माफी मांग सकते है और वादा करते है कि सदन में भी माफी मांगूंगा। उसके बाद सदन आहूत होता है, तो उन्हें तय प्रक्रिया को अपनाना चाहिए। लेकिन सदन में अपनी बात से विमुख होना, मैं सोचता हूं कि कांग्रेस में बहुत अंतर्कलह हैं। इसका खामियाजा राजस्थान का जनता को भुगतना पड़ रहा हैं।

समाज सुधार के लिए महावतान बिरादरी एकजुट

-गैर-इस्लामी रिवाजों को खत्म करने और इस्लामी सादगी को अपनाने पर जोर

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। महावतान बिरादरी के सरपंच और पटेलों की ओर से शादियों में गैर-रिवाजी रस्मों को बंद करने के फैसले को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक गरीब नवाज फाउंडेशन के सहयोग से घाटगेट स्थित चांद छबील, सुब्हान उस्मान मस्जिद के पास संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करना और इस्लामी तौर-तरीकों के अनुसार निकाह को आसान बनाना था। इस अवसर पर महावतान बिरादरी के तमाम गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की और इस्लामी रस्मों के अनुसार विवाह को संपन्न कराने, फिजूलखर्ची से बचने और समाज में गैर-इस्लामी रिवाजों को समाप्त करने पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि निकाह एक पाक रिश्ता है और इसे आसान एवं शरई तरीके से अदा किया जाना चाहिए। इस्लाम में सादगी को प्राथमिकता दी गई है और इसी को अपनाना हम सबके लिए जरूरी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चीफ काजी खालिद उस्मानी, शरई काजी मुफ्ती गुफरान रज़ा मिस्बाही, काजी बिरादरान-ए-महावतान हाफिज आफताब अहमद, हाफिज रियाज अहमद, हाफिज इरफ़ान और कारी अब्दुल मुगनी मौजूद रहे। उन्होंने अपने विचार रखते हुए इस्लामी तरीके से विवाह संपन्न कराने और समाज में सुधार लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में कई गैर-इस्लामी रिवाज हमारे समाज में घर कर गए हैं, जिनकी वजह से निकाह को बोझ समझा जाने लगा है। इसे आसान बनाने के लिए हमें खुद पहल करनी होगी। ये मीटिंग बिरादरी के पंच- पटेलों की देखरेख में संपन्न हुई, जिसमें सरपंच मोहम्मद हनीफ, सरपंच मोहम्मद यूनुस, नायब सरपंच मोहम्मद नौशाद और अब्दुल वहीद शामिल थे। उन्होंने अपने संबोधन में बिरादरी को भरोसा दिलाया कि जो लोग इन नए नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज में बदलाव लाने के लिए बहुत जरूरी है और हर व्यक्ति को इसमें सहयोग देना चाहिए। इस खास मौके पर सम्मेलन में बिरादरी के 23 हाफिजों, एक आलिम, चार आलिमा, दस डॉक्टर, दो इंजीनियर और एक लेक्चरर को दस्तारबंदी और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान बिरादरी में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिया गया, ताकि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े और लोग अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम का संचालन वार्ड 83 के पार्षद प्रत्याशी रहे शाहनवाज लाला ने किया। मीडिया से बातचीत में लाला ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों को दूर कर इस्लामी रस्मों के अनुसार शादियों को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी इस फैसले को अपनाएं तो समाज में बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि काजी खालिद उस्मानी ने फिजूलखर्ची से बचने और इस्लामी तरीके से निकाह करने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शादी ब्याह में अधिक खर्च करने से न केवल परिवार पर आर्थिक बोझ पड़ता है बल्कि समाज में एक गलत परंपरा को भी बढ़ावा मिलता है। इसलिए हमें इसे रोकना होगा और इस्लामी सादगी को अपनाना होगा। वहीं, मुफ्ती गुफरान अहमद मिस्बाही ने कुरान और हदीस की रोशनी में निकाह के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि इस्लाम में शादी को एक इबादत माना गया है और इसे सहज तरीके से करना ही सही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के लिए आगे आएं और इस मुहिम को सफल बनाएं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद हाजी उम्रदराज, पार्षद असमा खान, अशफाक अहमद, अब्दुल अजीज हाथी वाले एवं एडवोकेट गुलाम मुस्तफा सहित कई अन्य सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने एकमत होकर इस फैसले का समर्थन किया और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। कार्यक्रम के अंत में बिरादरी के तमाम मौजूद लोगों ने गैर-इस्लामी रस्मों और कुरीतियों को खत्म करने की शपथ ली। साथ ही, तालीम को बढ़ावा देने का संकल्प लिया, ताकि आने वाली पीढ़ी एक बेहतर और शिक्षित समाज में जीवन व्यतीत कर सके।

राजस्थान की महिला उद्यमियों को मिलेगा नया आयाम

-आर्च कॉलेज और राजीविका के बीच हुई महत्वपूर्ण साझेदारी, हस्तनिर्मित उत्पादों को मिलेगी नई पहचान

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की महिला कारीगरों के हस्तनिर्मित उत्पादों को नई पहचान देने और उनके व्यवसाय को डिजाइन और मार्केटिंग के जरिए सशक्त बनाने के लिए आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस ने राजीविका के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को आधुनिक बाजार तक पहुंचाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर राजीविका की स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर नीरू मीणा ने छात्रों से संवाद किया और 'राज सखी' पहल के तहत महिलाओं को दिए जा रहे अवसरों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस पहल से हजारों महिलाएं बाजार से जुड़कर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही हैं। डिजाइन और मार्केटिंग से मिलेगा नया बाजार आर्च कॉलेज और राजीविका की इस साझेदारी के तहत महिलाओं के उत्पादों को नवाचार और डिजाइन-आधारित समाधान दिए जाएंगे। उनकी बिक्री बढ़ाने और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्रों को मार्केटिंग, पैकेजिंग और सोशल मीडिया के जरिए महिला कारीगरों को सशक्त बनाने का अवसर मिलेगा। आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस की संस्थापक एवं निदेशक अर्चना सुराना ने इस पहल को लेकर कहा कि हम हमेशा से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत रहे हैं। राजीविका के साथ यह सहयोग उन महिलाओं के लिए एक बड़ा अवसर है, जो पारंपरिक कला और हस्तशिल्प में निपुण हैं, लेकिन आधुनिक बाजार तक नहीं पहुंच पा रही हैं। हमारा लक्ष्य डिजाइन और ब्रांडिंग के माध्यम से उनके उत्पादों को नई पहचान देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आर्च कॉलेज पहले भी चूरू जिले के ताल छापर की महिलाओं के साथ सतत डिजाइन लक्ष्यों पर काम कर चुका है। इस नई साझेदारी के तहत छात्र सीधे ग्रामीण महिलाओं के साथ काम करेंगे। उन्हें ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग के गुर सिखाए जाएंगे। उनके हस्तनिर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिश की जाएगी। यह साझेदारी राजस्थान में महिला उद्यमशीलता, नवाचार और सतत विकास को नया आयाम देने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त होगी, बल्कि राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को भी बढ़ावा मिलेगा।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2024-25 के तहत ललाना में शिविर आयोजित

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वावधान में वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2024-25 का आयोजन 24 से 28 फरवरी तक किया जा रहा है। इस वर्ष का विषय "वित्तीय समझदारी, समृद्ध महिला" रखा गया है। इसी क्रम में नोहर ब्लॉक के ग्राम ललाना में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिला अग्रणी प्रबंधक राजकुमार, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक दयानंद काकोड़िया, आरोह फाउंडेशन के जिला समन्वयक श्री नितिन तथा ब्लॉक वित्तीय साक्षरता सलाहकार सतपाल उपस्थित रहे।

महिलाओं को वित्तीय सशक्तिकरण की जानकारी:- शिविर में जिला अग्रणी प्रबंधक राजकुमार ने महिलाओं को घरेलू आय-व्यय के सही प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बचत की महत्ता, बैंकिंग प्रणाली, केसीसी, डेयरी केसीसी, शिक्षा, आवास एवं वाहन ऋण जैसी योजनाओं की जानकारी साझा की। साथ ही, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), अटल पेंशन योजना (APY) एवं सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) में पंजीकरण कराने के लाभ बताए।

स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहन:- नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक दयानंद काकोड़िया ने राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि कृषि, डेयरी, बकरी पालन, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई-कढ़ाई जैसी गतिविधियों से आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है।

साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी:- शिविर में ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन में सतर्कता बरतने, साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय भी बताए गए। उपस्थित महिलाओं को बैंक से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने और सुरक्षित डिजिटल लेन-देन करने के बारे में जागरूक किया गया। इस शिविर से ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित किया गया, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें।

C S परीक्षा टॉप करके इरम खान ने रचा इतिहास

शब्बीर हुसैन

कोटा.(रॉयल पत्रिका) देश की प्रतिष्ठित कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा (CS Professionals) के आज जारी किए गए परिणाम में कोटा की इरम खान ने इतिहास रचते हुए लागातार तीसरी बार पूरे देश मे टॉप किया है। इन्होंने ALL INDIA RANK 9th हासिल की है। इरम ने इसके पहले भी CS Foundation में AIR 19 और CS Executive में AIR 21 हासिल की थी। इस होनहार बच्ची की यह उपलब्धि सिर्फ कोटा शहर के लिए ही नही,सम्पूर्ण राजस्थान के लिए गौरव की बात है। आकाशवाणी कोटा निवासी डॉ जावेद खान-शहनाज खान की सुपुत्री इरम खान अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ ही अपने नाना हाजी याकूब अली कसूरी व नानी, दादा और अपने मामा कृषि अधिकारी इनायत खान को और शिक्षाविद हैदर अली खान को देती हैं। इरम ने घर से ही तैयारी करते हुए लगातार 3 बार सम्पूर्ण देश मे टॉप करते हुए सफलता का परचम लहराया है यह professional Competitive Exams की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा स्रोत है।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

- निदेशक डॉ. आनंद शर्मा ने सभी इंतजाम सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

- 1 से 4 मार्च तक जवाहर कला केन्द्र में होगा आरोग्य मेले का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में आगामी 1 मार्च से 4 मार्च, 2025 तक राज्य स्तरीय आरोग्य मेले का आयोजन होगा। आयुर्वेद विभाग मेले के सफल आयोजन एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों का पूरा करने में जुटा है। आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद शर्मा ने बुधवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. शर्मा ने आयोजन से जुड़ी अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आयोजन से जुड़े अधिकारियों को राज्य स्तरीय आरोग्य मेले के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए समस्त आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरा करने के लिए निर्देशित किया। डॉ आनंद शर्मा ने राज्य स्तरीय आरोग्य मेले की विभिन्न समितियों की तैयारियों की समीक्षा की एवं अधिकारियों से फीडबैक भी लिया। उन्होंने समितियों के प्रभारी अधिकारियों क मेले परिसर में सभी स्टॉल को व्यवस्थित तरीके से संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। ताकि आयुष की समस्त पद्धतियों का लाभ जन सामान्य को मिल सके। विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं मेले के नोडल प्रभारी डॉ बत्ती लाल बैरवा ने बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेला जवाहर कला केंद्र में 1 से 4 मार्च तक आयोजित किया जायेगा जिसकी तैयारियां जोरो से चल रही हैं, मेले के मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मण सैनी ने जानकारी दी कि बैठक में डॉ. श्रीराम तिवाड़ी, डॉ. दिनेश शर्मा परियोजना निदेशक आयुष मिशन, डॉ सीताराम शर्मा, रजिस्ट्रार इंडियन बोर्ड ऑफ़ मेडिसिन, डॉ रमेश गुप्ता सीईओ, प्लांटेशन बोर्ड, मेला सयोजक डॉ कमल चंद्र शर्मा, डॉ घनश्याम मीणा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शिरकत की।

जिला कलक्टर ने किसान रजिस्ट्री शिविर और गर्ल्स हॉस्टल का किया निरीक्षण

-ग्रामीणों से संवाद कर विभिन्न विकास कार्यों का लिया जायजा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बुधवार को ग्राम पंचायत चरडाना एवं अंताना में आयोजित किसान रजिस्ट्री कैंप का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने मौके पर पहुंचकर किसानों से संवाद किया और यह सुनिश्चित किया कि किसी भी किसान को पंजीकरण में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी किसानों का समय पर और सुचारू रूप से पंजीकरण किया जाए, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने शिविर में किसानों को डिजिटल कार्ड भी वितरण किया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता की जांच की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य को समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही लाभार्थियों से बातचीत कर की। उन्होंने पात्र ग्रामीणों से अपील की कि वे इस योजना के तहत पंजीकरण कराएं और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। जिला कलक्टर ने गर्ल्स हॉस्टल चरडाना का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने हॉस्टल की स्वच्छता, भोजन व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कलक्टर ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली। कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी साथ रहे।

चुनाव संबंधी गलत एवं भ्रामक सूचनाओं पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां अधिक सक्रिय होंगी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान निर्वाचन विभाग एवं भारत निर्वाचन आयोग की गतिविधियों तथा क्रियाकलापों सहित लोकसभा और राज्य विधानसभा से संबंधित चुनावी प्रक्रिया के बारे में जन संचार माध्यमों में भ्रामक अथवा गलत खबरों, सूचनाओं (फेक न्यूज) के प्रसारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर) को निर्देश जारी किए हैं। महाजन ने निर्वाचन विभाग में प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग एवं कार्रवाई के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है। यह समिति मीडिया में प्रकाशित भ्रामक जानकारी एवं गलत तथ्यों वाले समाचारों के बारे में जिला स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई के लिए समन्वय का कार्य करेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जिलों में विभिन्न मीडिया माध्यमों यथा समाचार पत्र-पत्रिकाओं, समाचार चैनल और सोशल मीडिया की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी की जाए। इसके लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं सर्टिफिकेशन समिति (डीएमसीएमसी) सक्रिय रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों पर निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रकाशित अथवा प्रसारित संवेदनशील खबर और सूचना विशेष पर नजर रखें। किसी भ्रामक, गलत अथवा संदेहास्पद सूचना के प्रकाशन पर त्वरित संज्ञान लेकर संबंधित विभाग अथवा शाखा से उसका तथ्यात्मक विवरण प्राप्त कर सही जानकारी एवं तथ्य सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किए जाएं। बता दें कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति (डीएमसीएमसी) कार्यरत है। इस समिति में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिले में कार्यरत केन्द्र सरकार के सूचना सेवा के अधिकारी, स्थानीय स्वतंत्र पत्रकार और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल हैं। जिला सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय का प्रभारी अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव है।

जिले में 27 व 28 फरवरी को आयोजित होगी अध्यापक परीक्षा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में 27 फरवरी को कुल दो पारियों व 28 फरवरी को एक पारी में राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा। एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि जिले के 34 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा केंद्रों पर कुल 23215 परीक्षार्थी भाग लेंगे। 27 फरवरी को प्रथम पारी सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.30 तक द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से सांय 5.30 वहीं 28 फरवरी को एक पारी में सुबह 10 बजे से 12.30 बजे परीक्षा आयोजित होगी। एडीएम शर्मा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था हेतु परीक्षा केन्द्रों पर 2 पुरुष, 2 महिला, स्ट्रांग रूम एवं संग्रहण केन्द्र पर सशस्त्र पुलिस जाब्ता लगाया गया है तथा स्ट्रांग रूम से परीक्षा केन्द्रों तक प्रश्न पत्रों के परिवहन हेतु उपयोग में लिये जाने वाले वाहनों पर जीपीएस लगाए गए हैं। इसी के साथ परीक्षा केन्द्रों पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगाये गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सरकारी कार्मिको की ड्यूटी लगायी गयी है। रीट एग्जाम 2024 में नकल रोकने और निष्पक्ष, पारदर्शी आयोजन के लिए पहली बार अभ्यार्थियों की बायोमेट्रिक एवं फेस रेकग्निशन से वेरिफिकेशन किया जाएगा। साथ ही एग्जाम में फर्जी एवं डमी अभ्यार्थियों की पहचान और संदिग्ध एक्टिविटी कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा हेतु नियुक्त होने वाले केन्द्राधीक्षक, अतिरिक्त केन्द्राधीक्षक, पर्यवेक्षक, पेपर कॉर्डिनेटर, फ्लाईंग कम पेपर कॉर्डिनेटर आदि का प्रशिक्षण करवाया जाकर प्रश्न पत्रों की गोपनीयता एवं सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता बनाये रखने एवं शांतिपूर्वक परीक्षा करवाये जाने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। परीक्षार्थियों के आवागमन हेतु पर्याप्त बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने हेतु मुख्य प्रबंधक एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर एक घंटे पूर्व तक ही केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसलिए समस्त परीक्षार्थी परीक्षा से 1.30 घंटे पूर्व ही केन्द्र पर पहुंच सुनिश्चित करें।

आदर्श सौर ग्राम योजना सर्वाधिक सोलर संयंत्र स्थापित करवाने वाले गांव को मिलेगा एक करोड रूपये का वित्तीय अनुदान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई महत्वाकांक्षी पहल को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में राज्य को विद्त उत्पादन में सरप्लस बनाने एवं परिवारों को 24 घंटे मुफ्त विद्त उपलब्ध कराने के लक्ष्यानुसार योजना को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा आदर्श सौर ग्राम योजना के तहत प्रत्येक जिले में 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों का चिन्हिकरण कर एक करोड़ रूपए के केन्द्रीय सहायता के माध्यम से एक मॉडल सौर गांव विकसित किया जाएगा। ताकि ग्रामीण समुदाय अपनी ऊर्जा जरूरतो को पूरा करने में आत्मनिर्भर बनाना, ऊर्जा बिलो मे कमी ला सकेंगें जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और सभी घरो एवं सार्वजनिक क्षेत्र को 24 घण्टे सौर उर्जा से संचालित गांव का विकास करना है। साथ ही सौर आधारित अघरेलू जल प्रणाली, कृषि उद्देश्य के लिए सौर पम्प और सौर स्ट्रीट लाइट जैसी तकनीको को बढ़ावा देती है।

5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों का किया चिन्हिकरण:- जिला कलक्टर शुभम चौधरी के निर्देशानुसार उक्त योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समिति द्वारा मलारना चौड, मलारना डूंगर, पिपलदा, शिवाड, सारसोप, भगवतगढ़, चौथ का बरवाडा, सूरवाल, खिलचीपुर, कुस्तला, छाण आदि 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांव चिन्हिकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि चिन्हित गांवों में प्रतियोगिता के आधार पर 6 माह के भीतर सर्वाधिक सोलर संयंत्र स्थापित करवाने वाले गांवों का चयन आदर्श गांव के रूप में किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा आदर्श सौर ग्राम को एक करोड रूपये की केन्द्रित वित्तीय सहायता का अनुदान दिया जाएगा।

अधीक्षण अभियंता विद्त विभाग बी.एल. मीणा ने बताया कि आदर्श सौर ग्राम के लिए जिला स्तरीय समीति का गठन किया गया है। योजना में सामुदायिक सौर संयंत्र, सौर ऊर्जा संचालित उपकरण, सरकारी भवन पर सौर संयंत्र और सौर सार्वजनिक तकनीकी को शामिल किया गया है। योजना के प्रचार प्रसार हेतु प्रत्येक गांव के सरपंच अपनी ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक सौलर संयंत्र स्थापित करवायेंगें। साथ ही अग्रणी जिला प्रबंधक को लोन के बारे मे जानकारी देने का कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

संस्थापित मध्यस्थता के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वैकल्पिक विवाद निस्तारण एवं मध्यस्थता गतिविधियों के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर एवं अधीनस्थ तालुकाओं गंगापुर सिटी, खण्डार, बौंली एवं बामनवास में संस्थापित मध्यस्थता केन्द्रों में मध्यस्थ (डमकपंजवते) के रूप में सेवाएं प्रदान करने के इच्छुक, सक्षम तथा योग्य व्यक्तियों/संस्थाओं से 1 मार्च, 2025 शाम 5 बजे तक ऑफलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने बताया कि मध्यस्थता के लिए सेवारत एवं सेवानिवृत बैंकिंग, मेडिकल, इन्जीनियरिंग, इन्श्योरेंस, शिक्षा, कृषि, राजस्व, निर्वाचन, रक्षा व अन्य सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकारी भी आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं तालुका विधिक सेवा समिति गंगापुर सिटी, खण्डार, बौंली एवं बामनवास में सम्पर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का श्रमिक कल्याण की दिशा में संवेदनशील निर्णय

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवाओं के कल्याण के प्रति कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत विवाह सहायता राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से उक्त योजना में अब अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों के विवाह पर 25 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी करते हुए प्रति विवाह 75-75 हजार रूपये की सहायता राशि दी जाएगी। यह स्वीकृति बजट वर्ष 2025-26 घोषणा के क्रम में दी गई है।

शिव महिमा का किया गुणगान

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के महाराणा प्रताप नगर स्थित इच्छापूर्ति बालाजी मंदिर में बुधवार की महाशिवरात्रि के मौके पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जाएगा। मंदिर परिसर में दिन भर रुद्राभिषेक के साथ भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया गया। पुजारी ओम प्रकाश श्रीमाली ने बताया कि महा शिवरात्रि पर अल सुबह से ही भगवान शिव के दर्शनों के लिए भक्तो की लम्बी कतारे रही। प्रातः पांच बजे एवं दोपहर के समय हुई महाआरती मे सभी दर्शनार्थी भक्तिरस मे गोते लगाने को मजबूर हो गए। वही मंहिला मंडल द्वारा शिव ब्यावला एवं भगवान शिव से ओत प्रोत भजन गाकर माहौल को अध्यात्मपूर्ण बना दिया। रुद्राभिषेक कर रिझाया भगवान शिव को- पुजारी ने बताया कि इस मोके पर आचार्य पंडित विशाल श्रीमाली एवं हितेष दवे के सानिध्य मे दम्पति रेणु कंवर पत्नि विक्रम सिंह परिहार एवं सुषमा शर्मा पत्नि राजेन्द्र कुमार के अलावा पुलिस विभाग से ओम प्रकाश जोशी तथा रमेश विश्नोई ने विधि विधान से दूध,दही,शहद, गुलाबजल, भस्म तथा कुमकुम तिलक से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर उन्हे रिझाया। इस मोके पर श्रीमती जया बोहरा, आसु जागरवाल, विकास भाई,नेमाराम चौधरी, विजय सिंह, विजेन्द्र सिंह,धर्मेन्द्र अरोडा,शेखर कुमावत, मुकेष शर्मा, राकेश कुमावत, लोकेश बालोटिया आदि मौजूद रहे।

राजकीय अवकाश के दिन भी खुलेंगे उप पंजीयक कार्यालय

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग वृत्त-जयपुर तृतीय के उप महानिरीक्षक श्यामा राठौड़ ने आदेश जारी कर समस्त पूर्णकालीन एवं पदेन उप पंजीयक के कार्यालय मार्च में 13 मार्च होलिका दहन एवं 14 मार्च धूलण्डी के अवकाश को छोडकर शनिवार-रविवार एवं अन्य राजकीय अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवसों की तरह खुले रखने के निर्देश दिए है। इन कार्यालयों में सामान्य दिवसो की भांति राजकीय अवकाशों में पंजीयन एवं मुद्रांक संबंधी दस्तावेजों का पंजीयन, बकाया राशि की वसूली से संबंधित समस्त कार्य, कलक्टर (मुद्रांक) के कार्यालय के समस्त कार्य संपादित किए जायेंगे।

आगे खिसकी 'द डिप्लोमैट' की रिलीज डेट...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया गया था, जिसके बाद दर्शकों के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ गया, लेकिन अब उन्हें फिल्म की रिलीज के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि 'द डिप्लोमैट' अब तय समय पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। अब यह फिल्म 14 मार्च को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी। द डिप्लोमैट की कहानी, पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

लाइफ Style

सामंथा
लव लाइफ को रखेंगी प्राइवेट

एजेंसी ⏭ मुंबई

सामंथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। 'सिटाडेल' फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

सामंथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। उन्होंने बताया है कि वह जल्द ही 'बंगाराम' फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि 'रक्त ब्रह्मांड' सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है। सामंथा रुथ प्रभु ने बताया 'मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं।' उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार 'सिटाडेल; हनी बनी' में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था। सामंथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि 'सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।'

हॉलीवुड मसाला

अब भारत में धूम मचाने तैयार

लॉस एंजिल्स। 'द बूटलिस्ट' अब भारत में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 28 फरवरी को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स, जो अल्विन, राफे कैसिडी, स्टेसी मार्टिन, इसाक डी बैंकोले और एलेसेंड्रो निवोला जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। कहानी लास्जलो टोथ (एड्रियन ब्रॉडी) की है, जो एक दूरदर्शी वास्तुकार है, जो युद्ध के बाद के यूरोप से भाग जाता है और अपने जीवन, अपने काम और अपनी पत्नी एर्जबेट (फेलिसिटी जोन्स) के साथ अपने विवाह को फिर से बनाने के लिए अमेरिका आता है।

ऑस्कर में परफॉर्म करेंगी एरियाना ग्रांडे

लॉस एंजिल्स। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में हॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े सितारे अपना परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। विकेड फिल्म के चर्चित कलाकार एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो स्टेज पर अपना परफॉर्मेंस देने जा रही हैं। वैराइटी के अनुसार, एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो के साथ लिसा की भी प्रस्तुति होने वाली है। लिसा को 'ब्लैकपिंक' ग्रुप पॉप के साथ 'द व्हाइट लोटस' में उनकी हालिया भूमिका के लिए जानी जाती हैं। वैराइटी की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने लॉस एंजिल्स मास्टर चोरेल की विशेष उपस्थिति की भी घोषणा की गई है। ऑस्कर समारोह का आयोजन 2 मार्च 2025 को होगा। भारतीय समयानुसार ऑस्कर अवॉर्ड इस साल 3 मार्च 2025 को सुबह 5:30 बजे से 8:30 बजे तक प्रसारित होगा।

हनी सिंह ने मेरा करा दिया कमबैक...

नई दिल्ली। हाल ही में सिंगर, रैपर हनी सिंह ने अपना एक नया गाना रिलीज किया है, इस गाने में एक्ट्रेस ईशा गुप्ता नजर आ रही हैं। हनी के गाने में ईशा के डांस की खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने भी इस गाने पर बात की। इसे अपने करियर के लिए काफी खास बताया। पैपराजी से बात करते हुए एक्ट्रेस ईशा ने हनी सिंह की तारीफ की है। वह मानती हैं कि हनी के गाने में तहलका मचाया हुआ है। अचानक एक पैपराजी ईशा को कहता है कि आपने तो हनी सिंह का कमबैक करवा दिया। इस पर ईशा कहती हैं कि अरे नहीं, ऐसा नहीं। बल्कि, हनी सिंह ने मेरा कमबैक करवाया। हनी सिंह और ईशा गुप्ता वाले जिस गाने की चर्चा इन दिनों सोशल मीडिया पर हो रही है, उसकी खास बात ये हैं इसमें एक भोजपुरी सिंगर को भी रैपर ने गाने का मौका दिया है।

37 साल बाद तलाक लेंगे गोविंदा-सुनीता

नई दिल्ली। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने कथित तौर पर अलग होने का फैसला किया है। इन दोनों ने यह फैसला शादी के 37 साल बाद लिया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा अक्सर एक साथ कई शोज में साथ नजर आते थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड का यह कपल बीते कुछ वक्त से एक-दूसरे से अलग रह रहा है। कथित तौर पर बताया जा रहा है कि गोविंदा और सुनीता आहूजा की अलग-अलग लाइफ स्टाइल ने उनके बीच दूरियां पैदा कर दी हैं। गोविंदा और सुनीता आहूजा पिछले कुछ समय से अलग रह रहा है। अभी तक, न तो गोविंदा और न ही सुनीता आहूजा ने तलाक की अफवाहों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। बॉलीवुड नाउ के मुताबिक, गोविंदा का एक मराठी एक्ट्रेस के साथ कथित संबंध तलाक का कारण बना है।

टीवी मसाला

एआई के गलत इस्तेमाल से परेशान हुए अमिताभ

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के लेटेस्ट एपिसोड में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने एआई पर बात की। अमिताभ ने 'केबीसी 16' के कंटेस्टेंट प्रियांशु से कहा, "मेरा अभी तक एआई के साथ जो परिचय हुआ है, वो गलत ही हुआ है। लोग मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर न जाने क्या-क्या बना देते हैं और लिपसिंक कर देते हैं। फिर आम जनता को लगता है कि ये असल में मैं हूं।' बिग बी यहीं नहीं रुके। उन्होंने एक किस्सा भी शेयर किया। बिग बी ने आगे कहा, एक बार, अफ्रीका से मेरे एक प्रशंसक ने मुझे एक तस्वीर भेजी। बता दूं, मैं उनसे आज तक कभी नहीं मिला। उन्होंने जो तस्वीर भेजी उस तस्वीर में मैं कहीं बैठकर कंप्यूटर पर टाइप कर रहा था। मैंने उससे पूछा कि तुम्हें यह तस्वीर कहां से मिली। उसने कहा कि वह मेरा गाना सुन रहा था और एआई की मदद से ये तस्वीर बना रहा था। वो तस्वीर बिल्कुल रियल लग रही थी। क्या यह संभव है? इस पर प्रियांशु कहते हैं, 'हां! आजकल डीपफेक की मदद से ये हो रहा है। प्रियांशु ने बिग बी को बताया कि वह आईआईटी में हैं। उन्होंने कहा, एक बार मैंने सोचा था कि डीपफेक का कोर्स करूं, लेकिन इसका सिलेबस देखने के बाद मैंने हाथ जोड़ लिए। बता दें, प्रियांशु 25 लाख रुपए के सवाल तक पहुंचे थे। हालांकि, उन्हें उस सवाल का जवाब नहीं पता था। ऐसे में उन्होंने क्विट कर दिया और 12,50,000 रुपए लेकर चले गए।

फराह ने उड़ाया गौरव की बीमारी का मजाक

नई दिल्ली। अनुपमा शो के स्टार गौरव खन्ना इन दिनों शो सेलिब्रिटी मास्टर शेफ इंडिया में नजर आ रहे हैं जहां वह खूब कुकिंग भी करते हैं। शो में जज के तौर पर फराह खान नजर आती हैं। गौरव को कलर

ब्लाइंडनेस की दिक्कत है और वह पहले एक इंटरव्यू में कई साल पहले बता चुके हैं। अब हाल ही में शो के दौरान फराह, गौरव को कुछ ऐसा बोल देती हैं कि सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है और उन्हें काफी इंसेसिटिव बता रहे हैं। दरअसल, हाल ही में एक एपिसोड के दौरान सभी सेलेब्स को फराह का फेमस रोस्ट चिकन बनाने को बोला जाता है। सभी को फराह का रोस्ट चिकन टेस्ट करने को कहा गया, लेकिन क्योंकि गौरव वेजिटेरियन हैं तो वह टेस्ट नहीं करते और दूसरों से फ्लेवर के बारे में पूछते हैं। इसके बाद वह डिश बना देते हैं, लेकिन प्रेजेंटेशन में उन्हें दिक्कत आती है।

'पठान' के सीक्वल में शाहरुख-दीपिका

तपन बक्सी ⏭ मुंबई

हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी! 2023 में आई हाई-वोल्टेज स्पाई एक्शन एडवेंचर फिल्म 'पठान' से शाहरुख खान ने अपने कॅरियर में जबरदस्त वापसी की थी। इस फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। अब

उसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल लेकर आ रही है यशराज फिल्म्स। 'पठान 2' की स्क्रिप्ट लिखने का काम पूरा हो चुका है और फिलहाल डायलॉग्स को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सबसे बड़ी खबर यह है कि इस साल ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तारीख तय हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली इस फिल्म के मुख्य कलाकार इसके सीक्वल में भी बने रहेंगे। यानी हमें फिर से पठान के रूप में शाहरुख खान, रुबीना के रूप में दीपिका पादुकोण,और कर्नल सुनील लूथरा के किरदार में आशुतोष राणा नजर आएंगे। स्क्रिप्ट राइटर अब्बास टायरवाला ने बताया चूंकि 'पठान' की तरह 'पठान 2' में भी तालियों और सीटी बजाने लायक डायलॉग्स होंगे, इसलिए उन्हें और बेहतर बनाने का काम चल रहा है ताकि दर्शकों पर जबरदस्त असर पड़े। हिंदी सिनेमा के दर्शकों को याद होगा कि 2023 में रिलीज हुई शाहरुख और दीपिका की फिल्म "पठान" ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक नया इतिहास रचा था। इस समय शाहरुख खान अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में "किंग" फिल्म की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म 2026 के मध्य में रिलीज होने वाली है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स में पहले भी कैटरीना कैफ को जोया के रूप में टाइगर फ्रेंचाइजी में दोहराया गया था। इस सीरीज की एक था टाइगर , टाइगर जिंदा है और अन्य फिल्मों ने शानदार सफलता हासिल की।

'शिवाय' से लेकर 'ब्रह्मास्त्र' तक भगवान शिव को समर्पित हैं ये फिल्में

नई दिल्ली। आज (26 फरवरी) को देशभर में महाशिवरात्रि मनाई जा रही है। इस खास मौके पर हम आपको उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भगवान शिव को समर्पित हैं।

शिवाय : शिवाय फिल्म में अजय देवगन ने एक माउंटेनियर का रोल निभाया था, जिसका नाम शिवाय होता है। फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के चरित्र को दिखाने को कोशिश की थी। दिलचस्प बात ये है कि अजय देवगन ने अपनी सीने में भगवान शिव का टैटू भी बनवाया है।

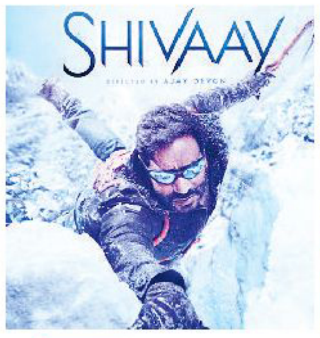

केदारनाथ : सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म केदारनाथ को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। इस मूवी की कहानी पूरी तरह से केदारनाथ मंदिर के ईर्द गिर्द घूमती हैं, जहां पर भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है।

बाहुबली : एसएस राजामौली की 'बाहुबली' का सीन एक सीन तो याद होगा, जिसमें प्रभास भारी-भरकम शिवलिंग को उठाकर अपने कंधे पर उठा लेते हैं और फिर उसे झरने के नीचे रख देते हैं। ये बाहुबली फिल्म का सबसे पॉपुलर सीन है।

सैटेलाइट शंकर : सूरज पंचोली की फिल्म सैटेलाइट शंकर भी काफी चर्चा में रही। ये मूवी भी भगवान शिव से कनेक्टेड है। इसकी कहानी भगवान शिव के बारे में बहुत कुछ बयां करती है।

ब्रह्मास्त्र : अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर ने शिवा का किरदार निभाया था, जिसके कुछ खास शक्तियां हैं। इस फिल्म का लोगो साल 2019 में महाशिवरात्रि के मौके पर प्रयागराज के कुंभ मेले से लॉन्च किया गया था।

जैसे शिव कथा अनंत है वैसे ही फिल्मों में शिव और शिव संबंधित गीत हैं अनंत

महाशिवरात्रि : जय-जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...

मुंबई। हिन्दी सिने प्रेमियों को सबसे पहले याद आएगा गाना, 'जय जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...'। जैसे शिव कथा अनंत है वैसे ही फिल्मों में शिव और शिव संबंधित अनंत गीत हैं। शिवरात्रि मतलब भगवान शिव! जो एक साथ सृजनकर्ता और विध्वंसकर्ता दोनों हैं। शिव मतलब महादेव, मतलब त्रिनेत्र, त्रिलोकी, मतलब नृत्य, मतलब तांडव। तांडव मतलब सब नष्ट-भ्रष्ट कर देने को उद्धत। मतलब जो जीर्ण-शीर्ण को नष्ट कर नए के लिए स्थान बनाए और लास्य करे। शिव मतलब रहस्य! जिसे समझना आसान नहीं है, पर जिसकी आराधना की जाती है, पूजा की जाती है। जब भारत में बनी फिल्मों की बात आती है तो भला हम शिव को कैसे भूल सकते हैं? और जब शिव और उनसे जुड़ी बातों की चर्चा फिल्म में होती है, तो बनारस यानी काशी अनायास चली आती है। चाहे सत्यजित राय हों अथवा ऋतुपर्ण घोष, बनारस के आकर्षण से बच नहीं पाते हैं। लेकिन, जब सिने-गीतों में शिव और शिव से जुड़ी फिल्मों-गीतों की बात आती है, तो कान में सबसे पहले गूंजने लगता है, 'ओम शिवो अहम, शिवो अहम...' और आंख के सामने 2009 में बनी तमिल फिल्म 'नान कडावुल' (अहम ब्रह्मास्मि) का नायक आर्या और उसका शक्तिशाली अभिनय और नृत्य घूमने लगता है।

तमिल फिल्म 'नान कडावुल' और काशी

फिल्म के निर्देशक हैं, प्रसिद्ध बाला, उन्होंने इसे जगमोहन के तमिल उपन्यास 'एषामउलगम' (सातवीं दुनिया) पर आधारित किया है। जगमोहन

ने ही 'नान कडावुल' के संवाद लिखे हैं। हिन्दी संवाद स्वरूप श्रीनिवास ने तैयार किए हैं। मगर दाद देनी होगी नायक और कोरियोग्राफर (जिसका नाम मुझे मिला नहीं) की। इस फिल्म में जब रुद्रन का पिता उसे काशी में छोड़ कर चला जाता है, तो वह अघोरी के रूप में बड़ा होता है। मगर जब परिवार उसे वापस लाता है तो उसके लिए सांसारिक जीवन में एडजस्ट होना कठिन होता है। पूरी फिल्म में 7 गाने हैं जिनका संगीत दक्षिण के प्रसिद्ध संगीतकार इलैईराजा ने दिया है। ओम शिवो अहम, शिवो अहम...' गीत विजय प्रकाश और वाली ने लिखा है। सिनेमाटोग्राफ़र हैं, आर्दर ए. विल्सन। विभिन्न 9 पुरस्कारों से सजी यह फिल्म देखनी बनती है।

मलयालम की फिल्म सोलो

यदि शिव से जुड़ी फिल्म देखनी है तो मलयालम के प्रसिद्ध और खूबसूरत अभिनेता दुल्खर सुल्तान तथा निर्देशक बिजय नम्बियार की फिल्म 'सोलो'देखें। फिल्म एक एंथॉलॉजी है जो चार भिन्न लोगों की कहानी कहती है। चारों में नायक दुल्खर सलमान ही हैं।

कहानी चार विभिन्न तत्वोः क्षिति, जल, पावक, समीर के इर्द-गिर्द घूमती है। स्क्रीनप्ले भी विजय नम्बियार का है तथा संवाद कार्तिक आर. अय्यर के हैं। और सिनेमाटोग्राफ़र हैं सेजल शाह, मधु नीलकंठन तथा गिरीश गंगाधरन।

शिव के इर्द-गिर्द हिन्दी सिनेमा

हिन्दी सिने प्रेमियों को सबसे पहले याद आएगा गाना, 'जय जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...'। शिव की बात हो और भांग न घुटे यह कैसे हो सकता है, सो यहां फिल्म 'आपकी कसम' में एक जमाने के सर्वप्रिय अभिनेता राजेश खन्ना और फिल्म की नायिका मुमताज ने भांग चढ़ा ली है। खूबसूरत हिमालय और उसकी वादी में फिल्माया गया यह गीत खूब चला और आज भी बराबर सुनाई देता है। 1974 में बनी यह फिल्म निर्देशक जे. ओम प्रकाश की पहली फिल्म थी। इसमें राजेश खन्ना, मुमताज के अलावा संजीव कुमार, रहमान, असरानी तथा ए. के. हंगलने भी काम किया है। संगीत आर. डी. बर्मन का है और उन्हें इस फिल्म केलिए फिल्मफेयर नामांकन मिला था। गीतकार आनंद बख्शी का रचा यह गीत उस साल बिनाका गीतमाला की वार्षिक सूची में दूसरे नंबर पर रहा।

शोले फिल्म की यादें आज भी ताजा

शोले फिल्म के संवादों ने एक नया इतिहास कायम किया। इससे पहले फिल्म के संवाद के कैसेट शायद ही बिके, शायद ही खरीदे और बजाए जाते थे। एक-एक संवाद लोगों को जबानी याद हो गया था। अब जब संवादों की बात हो रही है तो भुलक्कड़, चुलबुली हेमामालिनी यानि बसंती का वो डॉयलॉग याद करें जब उसे मंदिर जाना था लेकिन डाकिए का चश्मा देने

वह इमाम साहब के यहां चली आती है और थोड़ी बकबक करने के बाद उसे मंदिर की याद आती है। तांगेवाली पूजा की थाली लिए मंदिर पहुंचती है। वह मौसी के कहे पर सोमवार के सोमवार शिवजी के मंदिर में माथा टेकने पहुंचती है, ताकि ऐसा पति मिले कि दुनिया जले। मगर उसके नंदी (शिव की सवारी) को माथा टेकने से पहले धर्मेंद्र विशाल शिव मूर्ति के पीछे पहुंच कर शिवजी के रूप में कन्या को संबोधित कर बताता है कि उसके होने वाले पति का नाम वीरू है।

बढ़ते वजन के साथ बढ़ती हैं अनेक बीमारियों की आशंका

पूरी दुनिया में ओवरवेट होना यानी मोटापा, एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम बन कर उभर रहा है। मोटापे की समस्या किसी भी व्यक्ति को रातों-रात यानी अचानक उत्पन्न नहीं होती है। लंबे समय तक गलत जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान, मोटापे की समस्या उत्पन्न करते हैं। यह स्थिति कई अन्य बीमारियों की वजह बनती है। इस बारे में जानना सभी के लिए जरूरी है

आमतौर पर मोटापा वह शारीरिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। जब किसी व्यक्ति की लंबाई के अनुपात में उसका वजन एक निश्चित मानक सीमा से अधिक हो जाता है तो उसे मोटापे की स्थिति कहा जाता है।

क्या है मॉर्बिड ओबेसिटी

मॉर्बिड ओबेसिटी या रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी व्यक्ति के शरीर में अत्यधिक मात्रा में वसा संचित होती है, जो उसके स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव डालती है। ऐसा मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसे आमतौर पर 40 या उससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) द्वारा परिभाषित किया जाता है।

मोटापा और बीएमआई

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स संक्षेप में बीएमआई है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई के मीटर वर्ग से विभाजित किया जाता है।

मॉर्बिड ओबेसिटी के लक्षण

- थोड़ा शारीरिक श्रम करने पर सांस फूलने लगती है। बैठने और चलने-फिरने में दिक्कत महसूस करना।
- जोड़ों और कमर में दर्द की समस्या के मामले ऐसे लोगों में ज्यादा होते हैं।
- जरा सा भी शारीरिक श्रम करने पर थकान महसूस करना।
- सोते समय खर्राटे लेना और रात में अचानक घबराहट होने पर उठ जाना (स्लीप एपीनिया)।

ओबेसिटी के कारण

व्यायाम न करना: जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।

जंक फूड्स: लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।

मानसिक तनाव: कालांतर में यह नकारात्मक मानसिक अवस्था भी मोटापे का कारण बन सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से मोटापा बढ़ सकता है।

वंशानुगत कारण: इनसे भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ना संभव है।

थायरॉइड ग्रंथि के विकार: इस ग्रंथि के असंतुलन या विकार से भी मोटापा बढ़ने की संभावना रहती है।

मोटापे से होने वाली समस्याएं

जो लोग अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनमें इन स्वास्थ्य समस्याओं के होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। जैसे- उच्च रक्त चाप, हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एपीनिया, मोटापे से ग्रस्त लोगों में आंतों और स्तन कैंसर होने के मामले कहीं ज्यादा हो सकते हैं। गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक समस्याएं: जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता।

इनफर्टिलिटी: मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

ऐसे करें वेट कंट्रोल

पहली बात तो यह समझ लें कि मोटापे को किसी भी दवा या किसी मेडिकल चमत्कार से चंद घंटों या दिनों में दूर नहीं किया जा सकता। मोटापे को नियंत्रित करने के संदर्भ में किसी भी व्यक्ति की उम्र, शारीरिक स्थिति और उसकी मेडिकल कंडीशन के बारे में जानना आवश्यक है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श: जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आप से कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डायटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

तब करवाएं बैरियाट्रिक सर्जरी

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

ऐसे निर्धारित करते हैं मोटापा

यदि किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 या उससे नीचे है, तो इसका आशय है कि उसका वजन सामान्य से कम है, वह

अंडरवेट है। ऐसा व्यक्ति कुपोषण का शिकार हो सकता है। किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 से 24.9 के मध्य है तो उसका वजन सामान्य है, जिसे नॉर्मल वेट कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति का बीएमआई 25 से 28 के मध्य है, तो उसका वजन अधिक है, उसे ओवरवेट कहा जाता है। बीएमआई 28 से 30 के मध्य है तो उसे ग्रेड-1 मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। अगर बीएमआई 31 से 40 के मध्य है तो उसे ग्रेड-2 मोटापा माना जाता है। अगर बीएमआई 40 से अधिक है तो उसे अत्यधिक गंभीर मोटापा (रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा) माना जाता है।

आमतौर पर पुरुषों में 94 सेमी. या फिर इससे अधिक और महिलाओं में 80 सेमी. या इससे अधिक कमर की माप को स्वास्थ्य के प्रतिकूल माना जाता है।

वेट कंट्रोल का डाइट प्लान

मोटापे को नियंत्रित करने में खान-पान का व्यायाम की तुलना में कहीं ज्यादा महत्व है। मोटापे को कम करने में 90% स्वास्थ्यकर खान-पान और 10% वर्कआउट व्यायाम की स्थिति आदर्श मानी जाती है। वजन को नियंत्रित करने के लिए कई डाइट प्लान हैं, जिन पर अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर ही अमल करना चाहिए। जैसे पैलियो डाइट प्लान। इसके अंतर्गत आहार में टमाटर, प्याज, लहसुन और गाजर को शामिल किया जाता है। इसके अलावा फलों, नट्स, मछली, फलियां, अनाज और डेयरी उत्पादों को भी शामिल किया जाता है।

डाइटिंग के नाम पर अपनी भूख मारना या कम से कम खाना अपने शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। अनेक ऐसे लोग हैं जिनके दिमाग में यह गलत धारणा बैठ चुकी है कि मोटापे को कम करने के लिए डाइटिंग एक सशक्त माध्यम है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। याद रखें, डाइटिंग से मोटापा कम नहीं होता।

मोटापा और दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। मॉर्बिड ओबेसिटी को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है।

वजन घटाने की दवाएं विशेष रूप से उन लोगों के लिए होती हैं, जो आहार और व्यायाम के साथ भी वजन कम करने में सफल नहीं हो पाते। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी दवाओं के साइड और आफ्टर इफेक्ट भी होते हैं। इन दवाओं का उद्देश्य शरीर में वसा को जलाना या बर्न करना, भूख को कम करना और शरीर के ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

इन बातों पर दें ध्यान

वजन नियंत्रण के लिए आपको अपनी जीवनशैली में लगातार सकारात्मक परिवर्तन करने होंगे। जैसे अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना, खान-पान में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को वरीयता देना आदि। इसके अलावा इन सुझावों पर भी अमल करना लाभप्रद रहेगा।

- डॉक्टर या डायटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।

- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव से शरीर में हार्मोन संबंधी असंतुलन उत्पन्न होता है, जिसके कारण कालांतर में मोटापा बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- खाद्य पदार्थों में ऊपर से नमक न छिड़कें। नमक का कम से कम सेवन करना लाभप्रद है।
- खाना खाते समय टीवी न देखें।

घरेलू औषधि

बहुत लाभकारी है जैतून नमक

आमतौर पर लोग साधारण नमक, काला नमक और सेंधा नमक के बारे में तो जानते हैं। लेकिन एक अन्य लाभकारी नमक जैतून नमक के बारे में कम ही लोग जानते हैं। यह एक विशेष नमक है, जो कई रोगों के उपचार में कारगर है।

क्या होता है जैतून नमक: इस नमक को बनाने के लिए साधारण नमक को जैतून के साथ मिलाकर एक निश्चित विधि से तैयार किया जाता है। इसके लिए पूरे पके हुए जैतून को मोटे नमक (डली वाला साधारण नमक) के साथ मिलाकर ढंक कर लगभग दो महीने के लिए रख दिया जाता है। निर्धारित समय के बाद उस नमक में विशेष गुणों का समावेश प्राकृतिक रूप से होता है। जिससे एक औषधि बन जाती है, जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में लाभकारी होता है। इसमें मिलने वाले प्रमुख तत्व हैं- विटामिन ई, लोहा, तांबा और कैल्शियम आदि। जैतून नमक की तासीर ठंडी होने के कारण सर्दियों में इसका सेवन कम करना चाहिए।

इन रोगों में कारगर: जैतून नमक को कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जा सकता है।

- इसका प्रयोग शरीर के बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- पेट संबंधी अजीर्ण, गैस, अपच, भूख न लगना या कम लगना आदि समस्याओं में यह हितकर है।
- डायबिटीज (रक्तशर्करा) और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के उपचार में जैतून नमक का सेवन उपयोगी है।
- यह शारीरिक क्षमता में बढ़ोत्तरी करता है।
- हृदय को स्वस्थ रखने के लिए यह लाभकारी है।
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।
- बढ़ते वजन से परेशान लोगों का वजन कम करने में मददगार है।
- यकृत (लिवर) को स्वस्थ बनाने में सहायक है।
- किडनी की समस्या में इसका सेवन लाभकारी है।
- बढ़ती आयु में हड्डियों को स्वस्थ रखने में इसका सेवन मददगार है।

कुछ लोगों को जैतून से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसकी कितनी मात्रा कैसे लेनी है, इसका निर्धारण स्वयं न करें, विशेषज्ञ से सलाह के आधार पर करें।

यहां बताए गए उक्त सभी उपाय-उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडे 'हरीश'

मेडिकल रिसर्च

माहिया

कुछ समय पहले खबरें आईं कि रूस के वैज्ञानिकों ने कैंसर ट्रीटमेंट के लिए वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। क्या है यह वैक्सीन, कैसे करेगी यह वर्क और इससे कितना प्रभावी होगा ट्रीटमेंट, आप जरूर जानना चाहेंगे।

बना ली गई कैंसर वैक्सीन कितना प्रभावी होगा इलाज

हाल में रूस ने घोषणा की है कि उनके वैज्ञानिकों ने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है, जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग का कहना है कि इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन, वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो इम्यून या प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करते हैं) के विरुद्ध इम्यून सिस्टम को एंटीबॉडीज उत्पादन के लिए प्रेरित करता है। जब ये एंटीजन, कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

ऐसे करेगी एक्शन: एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, इम्युनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अकसर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वो एंटीबॉडीज द्वारा पहचान में आने से बच जाएं। फलस्वरूप इम्यून सिस्टम (शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता) उन्हें नष्ट नहीं कर पाता। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है। अब प्लानिंग यह है वैक्सीन के जरिए शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाए कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे और उनको फैलने से रोके। इस उपचार का लाभ यह है कि कीमोथेरपी के विपरीत इसमें अन्य कोशिकाओं के बजाय केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन ट्रीटमेंट के साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं। वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्युनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं। जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि।

अन्य वैक्सीन से है अलग: अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाए, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

कैंसर का करेगा ट्रीटमेंट: कई डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग करना भ्रामक है, क्योंकि संक्रमित रोगों की तरह कैंसर आमतौर से किसी एक कीटाणु से नहीं फैलता है। जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपील्लोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। लेकिन डॉक्टर्स इस बात पर बल देते हैं, 'रोगियों को यह समझना चाहिए कि इम्मुनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।' *

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब नींद के लिए लेनी पड़े दवा

मेरी उम्र 66 वर्ष है। मुझे अकसर रात को नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। समझ नहीं आता, क्या करूं? कृपया उचित मार्गदर्शन करें।

-वीरपाल, महेंद्रगढ़

नींद की दवा खाकर सोना, यह अच्छी बात नहीं है। सबसे पहले आप कोशिश करें कि नींद की दवा लेना बंद करें और इसके बगैर कैसे नींद आए, इसका रास्ता खोजें। इसके लिए सबसे जरूरी है कि नींद न आने की वजह ढूंढ़ने की, यानी किस वजह से नींद नहीं आती है? यह समस्या आपको कब से है यानी इस बीच में ऐसा क्या हुआ है, जो बात बार-बार आपके मन में आती है, जिससे नींद नहीं आ रही हो। अगर आप स्वयं से ऐसा न कर पाएं तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, लेकिन नींद की दवा आपको लेना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? मुझे क्या करना चाहिए?

-अभिनव, दुर्ग

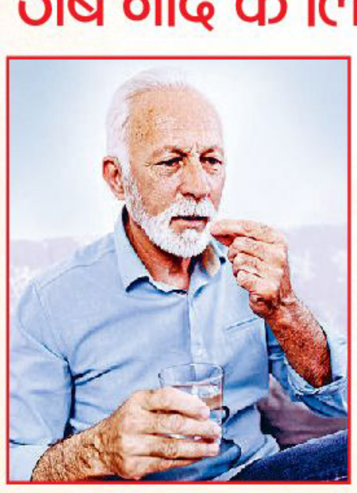

पैरों में सूजन दो कारणों से होती है, पहले मसल्स का वीक होना और दूसरा डायबिटीज। आप पहले जनरल फिजिशियन से संपर्क करें, वो आपकी शुगर और कुछ अन्य जांच कराएंगे, जिससे पता चलेगा कि आपको किस वजह से सूजन आ रही है? इसके बाद उसका उपचार होगा। फिलहाल, बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई भी दवा आप ना खाएं। ज्यादा दिक्कत होने पर आप सिंकाई कर सकते हैं।

मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरे फेस पर बहुत अधिक झाइयां हो रही हैं। कई तरह की क्रीम और दवाइयां लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रही। मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-सुकेश, रायपुर

अभी आप की उम्र अधिक नहीं है इसलिए आपको दवा खाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। दवा के अधिक सेवन से आपको अभी भले ही आराम मिल जाए, लेकिन आगे और परेशानी बढ़ सकती है। सबसे पहले आप अपनी तरफ से इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयां बंद करें और एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। वो इसका कारण बताएंगे और उसका ट्रीटमेंट भी। लेकिन आप अभी पानी अधिक से अधिक पिएं। शरीर में पानी की कमी न होने दें। कई बार यह भी त्वचा रोग का कारण बन जाता है।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। तीन हफ्ते पहले बाथरूम में पैर स्लिप करने की वजह से मेरी कमर में चोट आई थी। अभी भी कमर में चोट वाली जगह पर रह-रहकर दर्द होता रहता है। ऐसे में क्या करूं, जिससे मुझे कमर दर्द से राहत मिले?

-अर्णव, बिलासपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको स्पाइन में चोट लगी है, जिसमें किसी तरह की फ्रेक्चर नहीं हुआ होगा। इस तरह की चोट में थोड़ा लंबे समय तक दर्द रहता है। कोशिश करें कि आप झुकने वाले काम बिल्कुल न करें, वजन न उठाएं। सोने के लिए हार्ड बेड का इस्तेमाल करें। अगर अधिक दर्द हो रहा है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि दर्द हो रहा है इसलिए किसी तरह की एक्सरसाइज भी न करें।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। अकसर खड़े होने पर मेरे पैरों में थरथराहट शुरू हो जाती है, जिसकी वजह से चलते वक्त लड़खड़ाने लगता हूं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कौशल किशोर, भोपाल

इस बात पर ध्यान दें कि आपका वजन अधिक तो नहीं है? कई बार वजन अधिक होने पर इस तरह की समस्याएं बढ़ती उम्र में देखी जाती हैं। लेकिन एक बार आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ संपर्क से कर लें, क्योंकि इस तरह की समस्याएं न्यूरो से जुड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। लेकिन आप जैसा बता रहे हैं, तो ज्यादा चलने की कोशिश न करें। गिर सकते हैं और चोट लग सकती है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

51 साल की उम्र में भी नहीं बदला तेंदुलकर का अंदाज, मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए भले ही लंबा समय हो गया है, लेकिन अभी भी उनके खेलने का अंदाज नहीं बदला है। सचिन फिलहाल अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में हिस्सा ले रहे हैं, जहां वह इंडिया मास्टर्स की कप्तानी संभाल रहे हैं। सचिन ने इंग्लैंड मास्टर्स के खिलाफ 21 गेंदों पर 34 रन की पारी खेली जिससे इंडिया मास्टर्स ने नौ विकेट से जीत दर्ज की।

चौकों-छक्कों से झूमे दर्शक

मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने 132 रन का लक्ष्य 11.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान तेंदुलकर ने क्रिस शॉफील्ड की गेंद पर आउट होने से पहले पांच चौके और एक छक्का लगाकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का मनोरंजन किया। सचिन ने बल्लेबाजी के दौरान कई शानदार शॉट्स खेले और अपने खेलने के दिनों की याद दिला दी। सचिन की पारी देखकर स्टेडियम पर मौजूद दर्शक खुशी से झूम उठे।

मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

घरेलू टीम के लिए गुरकीरत सिंह मान ने 35 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी खेली, जबकि युवराज सिंह 14 गेंद में 27 रन बनाकर नाबाद रहे जिससे इंडिया मास्टर्स ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। तेंदुलकर की अगुवाई वाली टीम ने इंग्लैंड मास्टर्स को आठ विकेट पर 132 रन पर रोक दिया। तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी ने तीन जबकि तेज गेंदबाज अभिमन्यु मिथुन और बाएं हाथ के स्पिनर पवन ने दो-दो विकेट लिए।

सचिन का करियर

सचिन तेंदुलकर के नाम टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। मास्टर ब्लास्टर ने भारत के लिए 200 टेस्ट मैच खेले जिनमें 15921 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाए। वहीं, 463 वनडे मैचों में उनके बल्ले से 18426 रन निकले जिनमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा सचिन ने भारत के लिए एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेला है।

कोहली तोड़ सकता है सौ शतक का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुंबई के धुरंधर वसीम जाफर का मानना है कि विराट कोहली अगले तीन चार साल और खेल सकता है और सचिन तेंदुलकर का सौ अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। छत्तीस वर्ष के कोहली ने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में पाकिस्तान पर छह विकेट से मिली जीत में अपना 82वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। जाफर ने इंडिया कारपोरेट टी20 बैश के लांच के मौके पर कहा, 'एक क्रिकेटप्रेमी के तौर पर आप विराट को ज्यादा से ज्यादा खेलते देखना चाहते हैं। मुझे यकीन है कि सभी चाहते हैं कि वह तीन चार साल और खेलकर सारे रिकॉर्ड तोड़े। वह शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। जब सचिन तेंदुलकर ने सौ शतक बनाए तो लगा था कि इसे कोई नहीं तोड़ सकेगा लेकिन 2010 से जिस तरह से विराट ने रन बनाए हैं तो लगता है कि वह इस असंभव को संभव कर सकता है। अगर विराट रिकॉर्ड तोड़ता है तो सचिन तेंदुलकर को बहुत खुशी होगी।'

खबर संक्षेप

वित्तीय सहायता देने के संबंध में समिति गठित

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारत के सामने आने वाली चुनौतियों और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की देश की दावेदारी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खेल महासंघों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के मानदंडों में संशोधन करने के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल करेंगे। इसमें कार्यकारी निदेशक (टीम) रितु पथिक, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के सीईओ एनएस जोहल, पूर्व टॉप्स सीईओ कमोडोर (सेवानिवृत्त) पीके गर्ग और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव शामिल हैं।

पिंक लेडीज़ कपः कोरिया से हारी भारतीय टीम

शारजाह। भारत की सीनियर महिला टीम बुधवार को यहां अल हमरिया स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में पिंक लेडीज कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में कोरिया से 0-3 से हार गई। फीफा रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद कोरियाई टीम मध्यांतर तक 2-0 से आगे थी। कोरिया की तरफ से चोई यूजुंग (आठवें) और चोई डागयेओंग (27वें) ने पहले हाफ में गोल किए। उसकी तरफ से तीसरा गोल मुन यूनजु ने 81वें मिनट में किया। भारत ने इस टूर्नामेंट में तीन मैच खेले। उसने अपने पहले मैच में जॉर्डन को हराया था लेकिन इसके बाद उसे रूस और कोरिया से हार का सामना करना पड़ा।

अभियान पटरी पर लाने के लिए उतरेगा आरसीबी

बेंगलुरु। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार को भुलाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर चल रही गुजरात जॉइंट्स की टीम के खिलाफ जीत दर्ज करके अपना अभियान वापस पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने पहले दो मैच जीतकर इस सत्र में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे लगातार दो मैच में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स से हार का सामना करना पड़ा।

फखर और अयूब की कमी खलीः आकिब

रावलपिंडी। पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच और राष्ट्रीय चयनकर्ता आकिब जावेद ने बुधवार को कहा कि सैम अयूब और फखर जमां के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम के अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। आकिब ने कहा कि सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के बावजूद टीम अपने अभियान का जीत के साथ अंत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान गुरुवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में बांग्लादेश से खेलेगा।

जादरान चैंपियंस ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर, बेन डकेट को पीछे छोड़ा

जदरान-उमरजइ ने अफगानिस्तान को दिलाई जीत, इंग्लैंड ट्रॉफी से बाहर

इंग्लैंड 49.5 ओवर में 317 रन पर ऑलआउट अफगान आठ से जीता

एजेंसी ▶▶| लाहौर

इब्राहिम जदरान के 177 रन और तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजइ के पांच विकेट की मदद से अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में बुधवार को इंग्लैंड को आठ रन से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया । इंग्लैंड की टीम दो मैच हार चुकी है और अब उसे ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलना है जिसके आस्ट्रेलिया के बराबर तीन अंक हैं । अफगानिस्तान के अब दो अंक है और उसे अगले दौर में पहुंचने के लिये आखिरी ग्रुप मैच में आस्ट्रेलिया को हराना होगा । जीत के लिये 326 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने दो विकेट 30 रन पर गंवा दिये । उमरजइ ने 58 रन देकर पांच अहम विकेट लिये और एक गेंद बाकी रहते इंग्लैंड की पूरी टीम 317 रन पर आउट हो गई । जो रूट ने 111 गेंद में 120 रन बनाये जिसमें 11 चौके और एक छक्का था । उन्होंने बेन डकेट (38) के साथ तीसरे विकेट के लिये 68 रन की और कप्तान जोस बटलर के साथ पांचवें विकेट के लिये 83 रन की साझेदारी की । डकेट और बटलर के जल्दी आउट होने का खामियाजा इंग्लैंड को भुगतना पड़ा क्योंकि रूट एक छोर पर अकेले पड़ गए थे । रूट ने काफी संयम के साथ बल्लेबाजी की और जोखिम लेने से बचते रहे । उन्होंने राशिद खान की गेंद पर एक रन लेकर 17वां एक दिवसीय शतक पूरा किया । वह उमरजइ की गेंद पर विकेट के पीछे रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच देकर लौटे । जैमी ओवरटन ने 28 गेंद में 32 रन बनाकर जीत की उम्मीदें कायम रखी थी लेकिन उमरजइ ने उन्हें भी रवाना कर दिया । इससे पहले सलामी बल्लेबाज जदरान के 177 रन की मदद से अफगानिस्तान ने सात विकेट पर 325 रन बनाये । जदरान ने 146 गेंद की अपनी पारी में 14 चौके और छह छक्के जड़े । कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने उनका पूरा साथ निभाते हुए 67 गेंद में 40 रन बनाये और चौथे विकेट की साझेदारी में 103 रन भी जोड़े । अजमतुल्लाह उमरजइ ने 31 गेंद में 41 रन बनाये और पांचवें विकेट के लिये 72 रन की साझेदारी की । बाद में जदरान ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिये 111 रन जोड़े । नबी ने 24 गेंद में 40 रन बनाये । इस मैच की विजेता टीम की ग्रुप बी से सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रहेंगी और दूसरी टीम बाहर हो जायेगी । अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन पहले दस ओवर में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने उन्हें दबाव में रखा । आर्चर ने 64 रन देकर तीन विकेट लिये । रहमतुल्लाह गुरबाज उनका पहला शिकार बने । वहीं सेदिकुल्लाह अतल को उन्होंने पगबाधा आउट किया और रहमत शाह ने स्क्वेयर लेग पर आदिल रशीद को कैच थमाया ।

अफगानिस्तान ने पावरप्ले के भीतर तीन विकेट 37 रन पर गंवा दिये । इसके बाद जदरान और शाहिदी ने पारी को संभाला । जदरान ने पहला पचासा 65 गेंद में पूरा करने के बाद जैमी ओवरटन को लगातार दो चौके लगाकर दबाव कम किया । दूसरी ओर लेग स्पिनर रशीद को रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में शाहिदी बोल्ड हो गए । इसके बाद जदरान ने उमरजइ के साथ रनगति को आगे बढाया । इंग्लैंड को तेज गेंदबाज मार्क वुड की घुटने की चोट से भी जूझना पड़ा जो आठ ओवर ही डाल सके ।

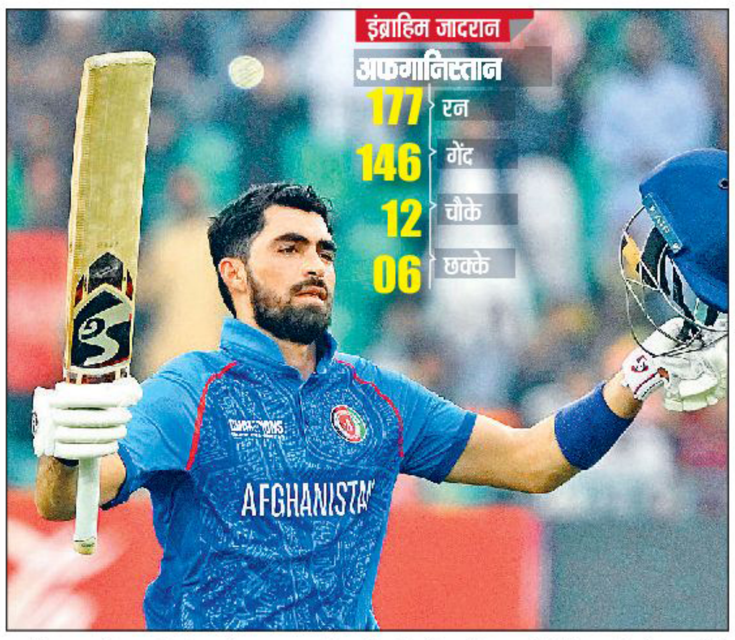

चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च स्कोर

रन	बल्लेबाज	बनाम	वर्ष
177	इब्राहिम जादरान	इंग्लैंड	2025
165	बेन डकेट	ऑस्ट्रेलिया	2025
145*	नाथन एश्ले	अमेरिका	2004
145	एंडी फ्लावर	भारत	2002
141*	सौरव गांगुली	द.अफ्रीका	2000

डब्ल्यूपीएल

स्किवेर और मैथ्यूज छाए मुंबई ने यूपी को हराया

भाषा ▶▶| बेंगलुरू

नेट स्किवेर ब्रंट और हीली मैथ्यूज के अर्धशतकों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में बुधवार को यूपी वारियर्स को आठ विकेट से हरा दिया । स्किवेर ब्रंट ने 18 रन देकर तीन विकेट लिये जिसके दम पर मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजकर नौ विकेट पर 142 रन ही बनाने दिये । इसके बाद इंग्लैंड की इस हरफनमौला ने 44 गेंद में नाबाद 75 रन बनाये जिसमें 13 चौके शामिल थे । उन्होंने दूसरे विकेट के लिये मैथ्यूज के साथ 82 गेंद में 133 रन भी जोड़े । मैथ्यूज ने 50 गेंद में 59 रन बनाये । मुंबई ने 17 ओवर में ही मैच जीत लिया । लगातार तीसरी जीत के साथ मुंबई इंडियंस छह अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि यूपी वारियर्स चौथे स्थान पर बने हुए हैं । मुंबई की पारी में मैथ्यूज को सोफी एक्सेलेटन ने शुरू ही में जीवनदान दिया । सात डॉट गेंद खेलने के बाद यास्तिका भाटिया अपना विकेट दीप्ति शर्मा को गंवा बैठी । इसके बाद मैथ्यूज और स्किवेर ब्रंट ने पारी को संभाला जिन्होंने साइमा ठाकोर को लगातार तीन चौके जड़े । इसके साथ ही चिनेले हेनरी के एक ओवर में 13 रन निकाले । मैथ्यूज ने ग्रेस हैरिस को दो चौके और एक छक्का जड़कर 22 रन निकाले । इससे पहले हैरिस के 26 गेंद में 45 रन के बावजूद यूपी वारियर्स की टीम मध्यक्रम के नाकाम रहने के कारण नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी । पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर हैरिस ने अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाये । उन्होंने वृंदा दिनेश (33) के साथ दूसरे विकेट के लिये 79 रन जोड़े लेकिन यूपी वारियर्स ने चार विकेट सिर्फ 12 रन के भीतर गंवा दिये और इस झटके से उबर नहीं सकी ।

वनडे रैंकिंग

गिल शीर्ष पर मजबूत कोहली 5वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत को चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने आईसीसी एक दिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

गिल ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 101 और पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन की पारी खेली थी। उन्हें इससे 21 रेटिंग अंक मिले और अब उनके 817 रेटिंग अंक हो गए हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे स्थान पर अब उनसे 47 अंक पीछे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाने वाले विराट कोहली पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि केएल राहुल 15वें स्थान पर आ गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ शतक जमाने वाले न्यूजीलैंड के विल यंग आठ पायदान चढ़कर 14वें और टॉम लैथम 11 पायदान चढ़कर 30वें स्थान पर आ गए है। वहीं रचिन रविंद्र 18 पायदान चढ़कर अब 24वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के एलेक्स कारी चार स्थान के फायदे के साथ 50वें और जोश इंगलिस 18 स्थान के फायदे के साथ 81वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में केशव महाराज और मैट हेनरी शीर्ष पांच में और एडम जम्पा शीर्ष दस में पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम को जीतनी चाहिए चैंपियंस ट्रॉफी

शारजाह। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कोच लालचंद राजपूत ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को निर्मम करार देते हुए कहा कि उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। भारत ने 2007 में राजपूत के कोच रहते हुए ही पहले टी20 विश्व कप में जीत हासिल की थी। राजपूत ने कहा, 'भारतीय टीम निर्मम नजर आ रही है। वह हर मैच में दबदबा बना कर जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं देना चाहते हैं। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे लगता है कि उसे आसानी से चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए।'

बीएफआई चुनाव जल्द कराने की जरूरत, मैं खुद लड़ने को तैयार

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के जल्द से जल्द नए सिरे से चुनाव कराने की अपील करते हुए कहा कि अगर मौका मिला तो वह चुनाव लड़ने में संकोच नहीं करेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता 39 वर्षीय विजेंदर अभी पेशेवर सर्किट में खेल रहे हैं हालांकि उन्होंने 2022 के बाद से कोई मुकाबला नहीं लड़ा है। विजेंदर ने कहा, 'जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी। मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता। अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करुंगा।'

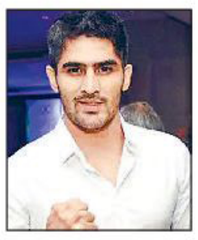

कतर ओपन जीतने के 3 दिन बाद दुबई में पहले दौर में हारे रुबलेव

एजेंसी ▶▶| दुबई

रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव कतर ओपन खिताब के तीन दिन बाद दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर क्वेंटिन हेलिस से 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हारकर बाहर हो गए। विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा।

एक अन्य मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6 (4) से हराया। उनका अगला मुकाबला जियोवानी एमपेत्शी पेरिकार्ड से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच से 6-2, 3-6, 6-3 से हार गए। नूनो बोर्जेस ने आठवीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-1 से हराया। दूसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में पांचवीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट, माटेओ बेरेटिनी, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल शामिल हैं।

दो मैच में करारी हार झेलने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

जीत के साथ अंत करने उतरेंगे पाकिस्तान और बांग्लादेश

एजेंसी ▶▶| रावलपिंडी

अपने पहले दो मैच में करारी हार झेलने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम गुरुवार को यहां होने वाले ग्रुप ए के मैच में जब आमने-सामने होगी तो उनका लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी के अपने अभियान का जीत के साथ अंत करना होगा।

मेजबान पाकिस्तान ने पहले दोनों मैच में लचर प्रदर्शन किया तथा न्यूजीलैंड और भारत से करारी हार झेलने के बाद उसका अपनी धरती पर चैंपियन बनने का सपना चकनाचूर हो गया। यही कहानी बांग्लादेश की रही जिससे इन दोनों टीमों के बीच होने वाला मैच औपचारिक रह गया है। इस मैच में अब दोनों टीम प्रतिष्ठा की खातिर एक दूसरे का सामना करेंगी। पाकिस्तान 29 साल बाद किसी वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है लेकिन टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब देश के क्रिकेट ढांचे में आमूल चूल बदलाव करने की मांग उठ रही है। यह लगातार तीसरा अवसर है जबकि पाकिस्तान सीमित ओवरों की क्रिकेट के किसी वैश्विक प्रतियोगिता के पहले दौर में बाहर हो गया। इससे पहले 2023 में वनडे विश्व कप और 2024 में टी20 विश्व कप में भी पाकिस्तान की टीम पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। ऐसे समय में जबकि अन्य टीम बेखौफ और आक्रामक रवैया अपना रही है तब लगता है कि पाकिस्तान अतीत में जी रहा है।

फार्म में नहीं बल्लेबाज

पिछली बार चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाला बांग्लादेश भी भारत और न्यूजीलैंड से हार के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने भी अभी तक निराश किया है। उसके बल्लेबाजों में केवल तौहीद हृदोय, कप्तान नजमुल हसन और जाकर अली ही थोड़ा प्रभाव छोड़ पाए हैं। गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी बांग्लादेश का प्रदर्शन औसत रहा है।

महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर दिखे भारत के विविध रूप, झांझ की झंकार, पवित्र मंत्र और 'हर हर महादेव' की गूंज त्रिवेणी में घुल गई

एजेंसी ▶▶ वाराणसी/प्रयागराज

प्रयागराज में पिछली 13 जनवरी को शुरू हुए आस्था के सबसे बड़े संगम महाकुंभ के अंतिम दिन महाशिवरात्रि पर देश के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री पवित्र संगम स्थल पर डुबकी लगाने के लिए एकत्र हुए और झांझ की झंकार, पवित्र मंत्र, 'हर-हर महादेव' की गूंज और भारत के विविध रूप दिखाने वाले रंग त्रिवेणी संगम पर एक दूसरे में घुल-मिल गए। प्रयागराज में महाकुंभ पिछली 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) को शुरू हुआ था और इसमें नागा साधुओं के भव्य जुलूस और तीन 'अमृत स्नान' हुए।

महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ और तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को शाम छह बजे तक 1.44 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई तथा 13 जनवरी से अब तक स्नान करने वालों की संख्या 66.21 करोड़ पहुंच गई है। स्नानार्थियों पर गुलाब की 120 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई।

संगम के ऊपर गरजे सुखोई-एएन-32 और चेतक, जय श्री राम के लगे नारे

महाकुंभ पर महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पूरे आयोजन को महासलामी दी। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देख गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरू कर दी। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी जयकारे लगाने लगे। इसी के साथ वायुसेना के एयर शो के फोटो और वीडियो बनाकर श्रद्धालु सोशल मीडिया पर शेयर करने लगे। वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार, महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं का अंतिम स्नान पर्व पर संगम क्षेत्र के ऊपर भव्य एयर शो से अभिवादन किया गया। सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलिकॉप्टर ने भरी उड़ान इस पावन अवसर पर जहां गंगा तट पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा रहे थे, वहीं आकाश में सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलिकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। इस ऐतिहासिक पल ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया।

मंदिर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लाइन लगी। लाखों श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए काशी पहुंचे है। भीड़ को कतारबद्ध करा दर्शन कराया जा रहा है। इस बीच सुरक्षा व्यवस्था चौकस है। मंदिर पर हेलीकॉप्टर के जरिए पुष्प वर्षा भी की गई।

अंतिम दिन भी मुस्तैद रहे सीएम योगी

सीएम योगी महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व पर तड़के चार बजे से ही व्यवस्थाओं को देखने के लिए नियंत्रण कक्ष में पहुंच गए। गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां वह स्नान पर्व पर पल-पल की निगरानी करते नजर आए। उन्होंने महाशिवरात्रि पर लोगों को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा कि महाकुंभ 2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पधारे सभी पूज्य साधु संतों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। त्रिभुवनपति भगवान शिव और पुण्य सलिला मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव।

पूरा हुआ महाआयोजन

महाकुंभ के महाआयोजन में यूपी सरकार ने 1,800 एआई कैमरों समेत 3,000 से अधिक कैमरों, ड्रोन और 60,000 कर्मचारियों के हवाले से श्रद्धालुओं की सही संख्या बताने की बात कही है। श्रद्धालुओं की संख्या का मिलान करने के लिए एआई कैमरों के साथ ही हम रोडवेज, रेलवे और हवाईअड्डे के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहे। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 37,000 पुलिसकर्मी, 14,000 होमगार्ड के जवान तैनात रहे। इसके अलावा, तीन जल पुलिस थाने, 18 जल पुलिस कंट्रोल रूम और 50 'वाच टावर' स्थापित किए गए थे।

टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड, काशी मे 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

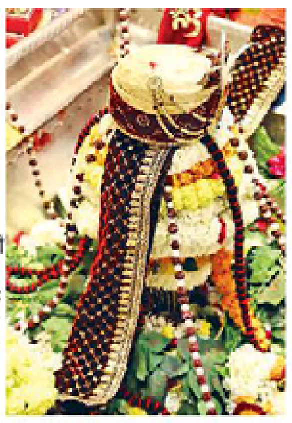

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु बाबा का दर्शन-पूजन कर रहे हैं। इस बार काशी विश्वनाथ के दर्शन करने 15 लाख से अधिक लोग पहुंचे हैं। इससे पहले मंदिर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। काशी विश्वनाथ धाम में नागा संन्यासियों के पहुंचते ही हर-हर महादेव के नारे लगने लगे। इसके बाद नागा संन्यासियों ने विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। आज महाकुंभ में महाशिवरात्रि के साथ ही मेले का समापन भी हो जाएगा। इसके साथ ही लाखों श्रद्धालुओं के महाकुंभ से वाराणसी पहुंचने का सिलसिला जारी है।

रात से ही दर्शन के लिए लाइन

महाशिवरात्रि पर्व पर काशी में लाखों की संख्या में भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए रात से ही सड़कों के किनारे खड़े हैं तो वहीं दूसरी ओर सुबह सबसे पहले गेट नंबर 4 से जूना अखाड़ा के नागा संन्यासी दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। जिनके साथ महामंडलेश्वर अवधेशानंद भी साथ रहे। इसके बाद साधु-संतों की पेशवाई शुरू हुई। 10,000 से ज्यादा नागा संन्यासी हाथ में गदा-त्रिशूल लिए पेशवाई करते हुए बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। बाबा विश्वनाथ धाम में जलाभिषेक के बाद बाद कैलाशानंद गिरि ने कहा कि इसी के साथ आज महाकुंभ की पूर्णाहूति हुई है।

नागा संन्यासियों ने बाबा के दरबार में किया जलाभिषेक

महाकुंभ पर महाशिवरात्रि का यह संयोग बेहद अद्भुत है। जब एक तरफ लाखों की संख्या में बाबा के आम भक्त उनके दर्शन का इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं सबसे ज्यादा बाबा को प्रिय उनके नागा संन्यासी बाबा के दर्शन को उनके धाम पहुंच रहे हैं। इस मौके पर सुबह से ही ढोल नगाड़े के साथ नागा साधुओं की पेशवाई शुरू हुई, जिसमें नाचते-गाते बाब विश्वनाथ को याद करते हुए भक्त पहुंच रहे हैं। निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज रथ पर सवार होकर दर्शन के लिए निकले।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने सावरकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत की आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र उनके अमूल्य योगदान को कभी नहीं भूल सकता जो त्याग, साहस और संघर्ष से भरा हुआ था। जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था।

पंजाब के सभी स्कूलों में पंजाबी पढ़ना अनिवार्य

चंडीगढ़। भगवंत मान सरकार ने पंजाब के सभी स्कूलों में पंजाबी भाषा पढ़ना अनिवार्य कर दिया है। सरकार के आदेश में कहा गया है कि भले राज्य का वह स्कूल किसी भी बोर्ड का हो, पंजाबी पढ़ना अब अनिवार्य होगा। सीबीएसई के साल में दो बार बोर्ड एग्जाम आयोजित कराने वाले ड्राफ्ट पर आपत्ति के बीच पंजाब सरकार ने एक बहुत फैसला ले लिया है।

दुघटना में बाल बाल बचीं सांसद महुआ मांझी

रांची। झारखंड के लातेहार जिले में बुधवार तड़के महाकुंभ से लौटते समय झामुमो सांसद महुआ मांझी की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने से वे घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि राज्यसभा सांसद मांझी की बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया है। उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार के सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं।

आप ने संजीव अरोड़ा को बनाया रास उम्मीदवार

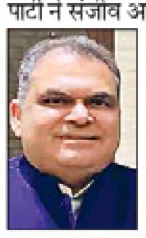

चंडीगढ़। लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार बनाया है। आम आदमी पार्टी के हलका लुधियाना पश्चिम से विधायक गुरप्रीत गोगी बस्सी का जनवरी में देहांत हो गया था। विधायक गोगी एक बेबाक अंदाज में जीने वाले व्यक्ति थे। अरोड़ा ने आप नेतृत्व आभार जताया।

बिहार में चुनाव से 7 महीने पहले मंत्रिमंडल का विस्तार

बिहार के अखाड़े में संतुलन का दांव: 7 भाजपा विधायक बने मंत्री, क्षेत्र और जातियों को साधा

एजेंसी ▶▶ पटना

लंबे समय से मंत्री बनने का इंतजार कर रहे विधायकों का सपना आखिरकार पूरा हो ही गया। मुख्यमंत्री नतीश कुमार ने भाजपा के सात मंत्रियों को मंत्री बना दिया। सोमवार को राजभवन में विधिवत शपथ भी हो गई। सात भाजपा विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। ये सभी भाजपा के कोटे से मंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह में कृष्ण कुमार मंटू, विजय मंडल, राजू सिंह, संजय सारावगी, जीवेश मिश्रा, सुनील कुमार और मोतीलाल प्रसाद ने मंत्री पद की शपथ ली। विधानसभा चुनाव से 7 महीने पहले भाजपा के इन सातों विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। इससे भाजपा की बिहार सरकार में भूमिका और मजबूत हुई है। जानकारों के मुताबिक इसे भाजपा का बड़ा दांव माना जा रहा है। साथ ही जानकार मानकर चल रहे है कि राज्य में क्षेत्र, जाति को साधने का प्रयास है।

बिहार में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से 7 महीने पहले बुधवार को नीतीश मंत्रिमंडल का बिस्तार हुआ। 7 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इनमें से 4 मिथिलांचल इलाके से हैं। इन्हें मिलाकर अब मिथिलांचल से 6 मंत्री हो गए हैं। सोमवार को मंत्री बनाए गए सभी विधायक भाजपा के हैं। इनमें 3 पिछड़े, 2 अति पिछड़े और 2 सवर्ण समुदाय से हैं। राज्य में एनडीए सरकार का 13 महीने में यह तीसरा विस्तार है। नीतीश सरकार में अब 36 मंत्री हैं। इनमें भाजपा के 21, जेडीयू के 13, बाकी एक हम से और एक निर्दलीय हैं। दरभंगा से भाजपा विधायक संजय सरावगी ने सबसे पहले शपथ ली। इसके बाद सुनील कुमार (बिहार शरीफ), जीवेश मिश्रा (जाले), राजू सिंह (साहेबगंज), मोतिलाल प्रसाद (रीगा), कृष्ण कुमार उर्फ मंटू (अमनौर), विजय मंडल (सिकटी) मंत्री बने।

बिहार में एनडीए ने शुरू की विधानसभा चुनाव की तैयारी

जातिगत संतुलन

- 3 पिछड़े, 2 अति पिछड़े और 2 सवर्ण समुदाय से मंत्री बनाए गए हैं।

क्षेत्रीय संतुलन

- इनमें से 4 मिथिलांचल इलाके से मंत्री बनाए गए हैं। इन्हें मिलाकर अब मिथिलांचल से 6 मंत्री हो गए हैं।

नीतीश सरकार में अब 36 मंत्री

भाजपा	21
जेडीयू	13
हम	1
निर्दलीय	1

राज्य में एनडीए सरकार का 13 महीने में यह तीसरा विस्तार

मिथिलांचल एनडीए का गढ़, गठबंधन के 30% विधायक यहीं से

बिहार में कुल 243 सीटें हैं। एनडीए के पास 131 सीटें हैं। इनमें से 40 सीटें मिथिलांचल से हैं। इसलिए मिथिलांचल को एनडीए का गढ़ कहा जाता है। मिथिलांचल के 6 जिलों (सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली) में 60 सीटें आती हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से एनडीए को 40 सीटें मिली थीं। आगामी चुनाव को देखते हुए यहां से 4 विधायक मंत्री बनाए गए हैं। दो पहले से मंत्री हैं। मंत्री बने एक विधायक बिहार शरीफ (दक्षिण बिहार) से हैं।

अपनी रणनीतियों पर काम कर रही पार्टियां

दरअसल, विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी पार्टियां अपनी रणनीतियों पर काम कर रही हैं। भाजपा का यह कदम भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भाजपा ने कैबिनेट विस्तार में जातिगत संतुलन का ध्यान रखा है। अति पिछड़ी जातियों से लेकर अगड़ी जातियों तक को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती पार्टियां

भाजपा के इस कदम से साफ है कि वह चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। जातिगत समीकरणों को साधकर पार्टी अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है। कैबिनेट विस्तार के बाद बिहार की राजनीति में नई गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। विपक्षी दल भी अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति और भी दिलचस्प होने वाली है।

6 मंत्री पद खाली थे जायसवाल के इस्तीफे के बाद 7 हो गए

नीतीश मंत्रिमंडल में 6 मंत्रियों की जगह खाली थी। बुधवार को दिलीप जायसवाल के मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद 7 जगह खाली हो गई। बुधवार सुबह राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने इस्तीफे के बाद कहा- भाजपा में एक व्यक्ति एक पद का फॉर्मूला है, इसलिए मैंने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। ये मुख्यमंत्री जी का अधिकार है। इसमें जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा।

दिल्ली शराब घोटाला पर कैग की रिपोर्ट

जाँच के लिए कांग्रेस ने की पीएसी गठन की मांग

नई दिल्ली

कांग्रेस ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार में हुए शराब घोटाले में भाजपा के भी शामिल होने ओर कैग की रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण सवाल नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए व्यापक जांच की मांग की है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने मांग की कि शराब घोटाले की जांच का दायरा व्यापक किया जाए। कांग्रेस द्वारा भाजपा के खिलाफ दी गई लिखित शिकायत की भी जांच हो। इसी के साथ शराब घोटाले को लेकर सार्वजनिक मंच पर चर्चा की जाए। कांग्रेस नेताओं ने कैग रिपोर्ट की जांच के लिए पीएसी (लोक लेखा समिति) के जल्द गठन की मांग पर जोर दिया।

भाजपा के रोल पर भी हो जांच

देवेंद्र यादव ने कहा कि विधानसभा में शराब नीति से जुड़ी कैग की रिपोर्ट पेश की गई। कांग्रेस को पहले से संदेह था कि इस नीति में बहुत सारी अनियमितताएं हैं, जिससे सरकार के राजस्व पर असर पड़ने वाला है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जांच एजेंसियों को शराब नीति से जुड़ी लिखित शिकायत भी दी थी, जिसमें भाजपा के संलिप्त होने के भी सबूत थे।

उठे कई अनसुलझे सवाल

कैग रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए देवेंद्र यादव ने कहा, भाजपा के बड़े नेताओं और तत्कालीन उप-राज्यपाल की भूमिका से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल हैं, जो इस कैग रिपोर्ट में नजरअंदाज कर दिए गए। कैग की रिपोर्ट में कई अनसुलझे प्रश्न हैं, जिनमें प्रमुख हैं कि एक साल के अंदर तीन आबकारी निदेशकों को बदलने का निर्णय क्यों और किसने लिया? दिल्ली में शराब के नए ब्रांड्स को बढ़ावा दिए जाने पर कोई जांच क्यों नहीं हुई? केजरीवाल सरकार की शराब नीति को लागू करने की अनुमति तत्कालीन उपराज्यपाल ने दी थी, आज तक इसपर कोई जांच क्यों नहीं हुई? उन्होंने सवाल किया कि मास्टर प्लान का उल्लंघन कर, शराब के ठेके खोलने के लाइसेंस कैसे दिए गए?

बॉण्ड के जरिये किसने किसको पैसे दिये

कॉर्पोरेशन की अनुमति के बिना, शराब के ठेके नहीं खोले जा सकते और उस समय एमसीडी में भाजपा का राज था। जिन शराब की कंपनियों को ठेके मिले, उन्होंने भाजपा और आम आदमी पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए पैसे दिए। इन सभी सवालों की जांच होनी चाहिए। देवेंद्र यादव ने कैग रिपोर्ट को लूट, झूठ और फूट का कच्चा चिट्ठा बताया। उन्होंने कहा, कैग रिपोर्ट में सामने आया है कि दिल्ली की जनता से टैक्स के रूप में वसूली गई उसकी मेहनत की कमाई को लुटाया गया।

किस नेता का कौन शामिल, हो जांच

वहीं संदीप दीक्षित ने कहा कि कैग रिपोर्ट में कहा गया कि शराब नीति जिस मंशा के साथ बनाने की बात हुई थी, उसे बार-बार बदला गया। शुरू में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी की बात की गई थी, लेकिन जहां पहले 77 लोगों की भागीदारी थी, वह बाद में घटकर 14 हो गई। यह 14 ऐसी संस्थाएं हैं, जो आपस में संबंध रखती हैं। कुछ देश के ऐसे हिस्सों से आती हैं, जहां के राजनेता या उनके परिवार के लोग आम आदमी पार्टी की सरकार के साथ संबंध बनाकर चलते हैं। इसलिए संदेह की स्थिति बनती है और इस पर गहराई से चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी बार-बार कहती थी कि दिल्ली में 30-40 प्रतिशत से ऊपर शराब बिकती है, लेकिन उसकी सरकार ने प्रति बोतल आबकारी शुल्क न लगाकर 30-40 प्रतिशत की चोरी को कानूनी वैधता दे दी।

ब्रांड पसंद उसे दबाया गया

संदीप दीक्षित ने कहा कि दिल्ली में नई आबकारी नीति के तहत कुछ ऐसे ब्रांड्स को प्रमोट किया गया, जिन्हें एनसीआर में पसंद नहीं किया जाता। इसके अलावा, दिल्ली में कई ब्रांड्स को दबाया भी गया।

लूट पर बोला झूठ

आम आदमी पार्टी की सरकार लगातार झूठ बोलती रही कि सरकार के राजस्व को बढ़ाया जा रहा है, लेकिन सच यह है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को नजरअंदाज करते हुए 2002 करोड़ रुपये की लूट को अंजाम दिया गया। यह आम आदमी पार्टी और भाजपा की आपसी मिलीभगत का ही नतीजा है कि कैग रिपोर्ट पर विधानसभा में चर्चा नहीं हो पा रही है। दोनों पार्टियां इस पर चर्चा करने से बचती दिख रही हैं। देवेंद्र यादव ने कहा, कांग्रेस चाहती है कि कैग रिपोर्ट की पीएसी में जांच हो और जो भी लोग लूट में शामिल थे, उन्हें सजा मिले।

दोषी सांसदों-विधायकों पर आजीवन प्रतिबंध की याचिका

सांसदों-विधायकों के चुनाव पर आजीवन प्रतिबंध का विरोध किया

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- 6 साल काफी हैं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में ही आता है

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दोषी सांसदों-विधायकों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की याचिका का विरोध किया है। सरकार ने तर्क दिया कि सजा की अवधि सीमित रखना संवैधानिक है और अपराध रोकने में मदद करता है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दोषी सांसदों-विधायकों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका का विरोध किया है। सरकार का कहना है कि सजा की अवधि सीमित रखना संवैधानिक है। इससे कठोरता से बचते हुए अपराध रोकने में मदद मिलती है। यह मामला अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका से जुड़ा है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 और 9 को चुनौती दी गई है। सरकार ने कहा कि संसद को सजा की अवधि तय करने का अधिकार है। मामले में 4 मार्च को सुनवाई करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने लंबित आपराधिक मामलों की संख्या पर काफी चिंता व्यक्त की

याचिकाकर्ता की मांग

यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। याचिका में दोषी सांसदों-विधायकों पर चुनाव लड़ने के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

धारा 8-9 में ये हैं प्रावधान

धारा 8 के तहत, दोषी सांसद-विधायक अपनी सजा पूरी करने के बाद 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते। धारा 9 के तहत, भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति निष्ठाहीनता के लिए सरकारी सेवा से बर्खास्त किए गए व्यक्ति बर्खास्तगी की तारीख से 5 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते।

केंद्र सरकार ने दीं दलीलें

केंद्र ने कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा है कि दोषी सांसदों-विधायकों की अयोग्यता की अवधि 6 साल तक सीमित रखने का प्रावधान 'आनुपातिकता और तर्कसंगतता के सिद्धांतों पर आधारित है। सरकार का तर्क है कि संसद को सजा की अवधि तय करने का विशेषाधिकार है। कानून मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दायर हलफनामे में कहा गया कि विवादित धाराओं के तहत अयोग्यता संसदीय नीति के अनुसार समयबद्ध है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,